SCORE EASY

S.S.L.C

2 IN 1 PACKAGE

HINDI ACTIVITIES BOOK

WITH

ACTIVITIES NOTES

EDITOR

MD ZAKIR . A . KOTWAL

M.D.R.S BELUR TOWN , HASSAN

S.S.L.C INTERNAL ASSESSMENT 2021-22

प्रत्येक गतिविधियों में छात्र द्वारा अर्जित अंक

छात्र / छात्रा का नाम :-

पाठशाला का नाम :-

हा.सं :- विषय : - हिंदी 10वी कक्षा वर्ष :- 2021-22

रचनात्मक मूल्यांकन	गतिविधि संख्या	गतिविधि का नाम	मानक					कुल 15 अंक के लिए	व्यापक 50 अंक के लिए	छात्र / छात्रा के हस्ताक्षर
			3	3	3	3	3			
FA - 1	1	पत्र लेखन								
	2	निबंध लेखन								
	कुल 30 अंक के लिए									
	उपलब्धि परीक्षा -1		20 अंक के लिए							
FA -2	3	पद्य लेखन और गायन								
	4	भावार्थ लिखिए								
	कुल 30 अंक के लिए									
	उपलब्धि परीक्षा -2		20 अंक के लिए							
FA - 3	5	अनुरूपता								
	6	व्याकरणांश								
	कुल 30 अंक के लिए									
	उपलब्धि परीक्षा -3		20 अंक के लिए							
FA - 4	7	प्रश्नोत्तर माला								
	8	कन्नड़ में अनुवाद								
	कुल 30 अंक के लिए									
	उपलब्धि परीक्षा - 4		20 अंक के लिए							

FA - 1 + FA - 2 + FA - 3 + FA - 4	कुल 200 अंक के लिए		20 के लिए :-

विषय शिक्षक

प्रधानाचार्यजी

MD ZAKIR . A . KOTWAL, M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN . CONTACT NO - 9740981536

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 1

गतिविधि : - 1. पत्र लेखन

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	लेखन चिन्हो का प्रयोग	3	
2	पत्र लेखन विषय ज्ञान	3	
3	सही वर्तनि का प्रयोग	3	
4	स्पष्ट लेखन	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL, M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN . CONTACT NO - 9740981536

तीन दिन की छुट्टी मांगते हुए अपने प्रधानाचार्य जी को एक पत्र लिखिए :

1. छुट्टी पत्र

दिनांक : .....

प्रेषक,

.....

.....

.....

.....

सेवा में,

.....

.....

.....

आदरणीय महोदय,

विषय : .....

.....

.....

.....

आपका आज्ञाकारी छात्र / छात्रा,

अभिभावक के हस्ताक्षर .....

अन्य कारण-

1. मुझे अपने त्योंहार में भाग लेने कारण,
2. मेरी तबियत खराब होने के कारण ,
3. मेरे दोस्त की जन्म दिवस में भाग लेने कारण,

शैक्षिक यात्रा के लिए 500 रू माँगते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए :

2. पिताजी को पत्र

प्रेषक,

.....

.....

.....

.....

.....

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

.....

.....

.....

.....

आपका / आपका आज्ञाकारी पुत्र / पुत्री

.....

सेवा में,

.....

.....

.....

.....

.....

अपनी पढ़ाई के बारे में बताते हुए अपने माताजी को एक पत्र लिखिए :

3. माताजी को पत्र

प्रेषक,

.....

.....

.....

.....

.....

पूजनीया माताजी,

सादर चरण स्पर्श ।

.....

.....

.....

.....

आपका / आपका प्रिय पुत्र / पुत्री

.....

सेवा में,

.....

.....

.....

.....

.....

****

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 1

गतिविधि : - 2. निबंध लेखन

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	निबंध विषय ज्ञान	3	
2	भाषा शैली	3	
3	लेखन चिन्हो का प्रयोग	3	
4	शुद्धता	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

" इंटरनेट क्रांति " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

1. निबंध - इंटरनेट क्रांति

प्रस्तावना ;-

.....

.....

अर्थ :-

.....

.....

लाभ / वरदान :-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

  .....
- .....

  .....

हानियाँ / अभिशाप :-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

उपसंहार:- .....

.....

.....

****

" जनसंख्या की समस्या " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

2. निबंध - जनसंख्या की समस्या

विषय प्रवेश :-

.....

.....

जनस्म्ख्या की वृध्दि के कारण :-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

परिणाम :-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

निवारण उपाय :-

- .....
- .....
- .....

उपसंहार:-

- .....

.....

.....

****

" स्वच्छ भारत अभियान " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

3. निबंध - स्वच्छ भारत अभियान

प्रस्तावना :-

.....

.....

.....

विषय प्रवेश :-

.....

.....

.....

स्वच्छ भारत अभियान की आवश्यकता :-

- .....
- .....
- .....
- .....

देश के स्वच्छ न होने के कारण :-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

देश को स्वच्छ रखने के उपाय:-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

उपसंहार :-

.....

.....

****

" पर्यावरण प्रदूषण " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

4. निबंध - पर्यावरण प्रदूषण :

अर्थ :-

.....

.....

.....

प्रदूषण के प्रकार :-

.....

.....

.....

पर्यावरण-प्रदूषण के कारण :-

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

निवारण उपाय :-

- .....
- .....
- .....
- .....

.....

उपसंहार :-

.....

.....

.....

.....

****

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 2

गतिविधि : - 3. पद्य लेखन और गायन

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	स्पष्ट लेखन	3	
2	समझ	3	
3	कंठस्थ	3	
4	ताल-लय के साथ गायन	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN.

" मातृभूमि " इस कविता को लय के साथ सस्वर गायन करके एक बार स्पष्ट रूप से लिखिए :

1. कविता - मातृभूमि

कवि - भगवतीचरण वर्मा

मातृ-भू, ...

.....

.....

.....

..... प्रणाम ।

हरे-भरे .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... प्रणाम ।

एक हाथ .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... प्रणाम ।

****

निम्नलिखित कविता के अंतिम छे पंक्तियों को सस्वर गायन करके कविता को पूर्ण रूप से *लिखिए :*

2. कविता - कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

कवि - सोहनलाल दिववेदी

लहरों .....

..... नहीं होती।

नन्हीं .....

.....

.....

.....

.....

..... नहीं होती ।

डुबकियाँ .....

.....

.....

.....

.....

..... नहीं होती.।

असफलता .....

.....

.....

.....

.....

..... नहीं होती ।

"तुलसी के दोहे " इन दोहों को सस्वर गायन करके एक बार स्पष्ट रूप से लिखिए :

3. दोहे - तुलसी के दोहे

दोहाकार - गोस्वामी तुलसीदास

1. मुखिया .....।

..... विवेक ।।

2. जड़ .....।

..... विकार ।।

3. दया .....।

..... प्राण ।।

4. तुलसी .....।

..... एक ।।

5. राम .....।

..... उजियार ।।

.....

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 2

गतिविधि : - 4. भावार्थ लिखिए

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	भावार्थ लिखने का ज्ञान	3	
2	भाषा विषय ज्ञान	3	
3	कविता के भाव का प्रस्तुतिकरण	3	
4	लेखन चिन्हो का प्रयोग	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN

निम्नलिखित पद्य भाग का भावार्थ लिखिए :-

1. भावार्थ : - तुलसी के दोहे

दोहाकार - गोस्वामी तुलसीदास

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥

भावार्थ : - .....

.....

.....

2.जड,चेतन,गुण-दिषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत-हंस गुण गहहिं पय,परिहरि वारि विकार ॥

भावार्थ :- .....

.....

.....

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

भावार्थ :- .....

.....

.....

4. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥

भावार्थ :- .....

.....

.....

5. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भितर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ॥

भावार्थ : - .....

.....

.....

.....

2. भावार्थ : - मातृभूमि

कवि :- भगवतीचरण वर्मा

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे, हे माँ,,
कोटि-कोटि हम आज साथ में।
गूंज उठे जय-हिन्द नाद से
सकल नगर और ग्राम।
मातृ -भू. शत-शत बार प्रणाम।

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

.....

****

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 3

गतिविधि : - 5. अनुरूपता लिखिए

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	अनुरूपता शब्दों का पूर्ण ज्ञान	3	
2	सही शब्दों का प्रयोग	3	
3	भाषा ज्ञान	3	
4	स्पष्ट लेखन	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN

निम्नलिखित शब्दों के अनुरूप शब्द लिखिए :

अनुरूपता :

1. सेव : कश्मीर :: संतरा : .....
2. पताका : न्याय का प्रतीक :: दीप : .....
3. केला : पीला रंग :: सेब : .....
4. अभिनव मनुष्य : रामधारीसिंह दिनकर :: मतृभूमि : .....
5. तुलसी के दोहे : रामभक्ति की झलक :: मतृभूमि : .....
6. बायें हाथ में : न्याय का पताका :: दाहिने हाथ में : .....
7. कर्नाटक संपदा : निबंध :: कश्मीरी सेब : .....
8. मेरा वचपन : अब्दुल कलाम :: कश्मीरी सेव : .....
9. सेब बेचनेवाला : बेईमान निकला :: रेवडियाँ बेचनेवाला : .....
10. निमकौडी : कडुवा :: कश्मीरी सेब : .....
11. गोदान : उपन्यास :: पंच परमेश्वर : .....
12 सूर-शाम : कृष्ण की बाललिला का वर्णन :: मतृभूमि : .....
13. कर्नाटक संपदा : महान व्यक्तियों का स्मरण :: मतृभूमि : .....
14. कपडा : नापना :: टोमाटो : .....
15. मेरा बचपन : आत्मकथा :: गिल्लू : .....
16. हंस : सफेद :: कौआ : .....
17. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : .....
18. बिल्ली : म्याऊँ – म्याऊँ :: गिल्लू : .....
19. गुलाब : पौदा :: सोनजुही : .....
20. गिल्लू की पूँच : छब्बेदार :: गिल्लू की आँखे : .....
21. उपन्यास साम्राट : प्रेमचंद :: आधुनिक मीरा : .....
22. बसंत की सच्चाई : ईमानदारी की सीख :: गिल्लू : .....
23. ईमानदारों के सम्मेलन में : हरिशंकर परसाई :: गिल्लू : .....
24. बाल-शक्ति : लघु नाटिका :: मेरा बचपन : .....
25. ईमानदारों के सम्मेलन में : हरिशंकर परसाई :: मेरा बचपन : .....
26. आशियम्मा : आदर्श जीवनसंगिनी :: जैनुलाबदीन : .....
27. बिछेद्री पाल का बचपन : कष्ट में बीता :: अब्दुल कलाम का बचपन : .....
28. पक्षी लक्ष्मण शास्त्री : शिव मंदिर के पुजारी :: अहमद जलालुद्दीन : .....
29. अहमद जलालुद्दीन : स्थानीय ठेकेदार :: श्म्सुद्दीन : .....
30. बसंत की दुर्लभ गुण : ईमानदारी :: अब्दुल कलामजी की दुर्लभ वस्तु : .....
32. रोबोट : कहानी :: बसंत की सच्चाई : .....

33. गिल्लू : प्राणी दया की सीख :: बसंत की सच्चाई : .....

34. कश्मीरी सेब : सावधानी की सीख :: बसंत की सच्चाई : .....

35. बसंत : स्वाभिमानी/परिश्रमी लडका :: पंडित राजकिशोर : .....

36. पंडित राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : .....

37. महादेवी वर्मा : प्राणियों के प्रति हमदर्दी दिखाना :: पंडित राजकिशोर : .....

38. महादेवी वर्मा : प्राणी दया की प्रेरणा :: पंडित राजकिशोर : .....

39. रामू : बेईमान :: बसंत : .....

40. सूर-श्याम : पद :: तुलसी के दोहे : .....

41. सूरदास : कृष्ण भक्तिशाखा के प्रवर्तक :: तुलसीदास : .....

42. सूरदास : सूरसागर :: तुलसीदास : .....

43. धनपतराय : प्रेमचंद का वास्तविक नाम :: रामबोला : .....

44. पाप का मूल : अभिमान :: धर्म का मूल : दया .....

45. जीब की तुलना : देहरी से :: राम नाम की तुलना : .....

46. देहरी पर दिया रखने से : भीतर व आँगन में प्रकाश :: राम नाम जपने से : .....

47. मुखिया का गुण : मुँह के समान :: संत का गुण : .....

48. धर्म के साथी : दया :: विपत्ति के साथी : .....

49. महिला की साहमगाथा : व्यक्ति परिचय :: इंटरनेट-क्रांति : .....

50. ई-गवर्नेन्स : प्राशासन पारदर्शी :: वीडियो कान्फरेन्स : .....

51. ई-गवर्नेन्स : पारदर्शी प्रशासन :: सोशल नेटवर्क : .....

52. इंटरनेट : अंतर्जाल :: फेसबुक : .....

53. कप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : .....

54. आई.टी : इनफार्मेशन टैक्नोलाजी :: आई.टी.ई.एस : .....

55. फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : .....

56. इंटरनेट बौकिंग : वरदान :: इंटरनेट हैकिंग : .....

57. इंटरनेट एक ओर : वरदान :: इंटरनेट दूसरी ओर : .....

58. विडियो कान्फरेन्स : विचार विनिमय करना :: इनफामेशन टैक्नोलाजी .....

59. गिल्लू : रेखा चित्र :: ईमानदारों के सम्मेलन में : .....

60. कश्मीरी सेब : प्रेमचंद :: ईमानदारों के सम्मेलन में : .....

61. कश्मीरी सेब : दोखेबाजी पर प्रकाश :: ईमानदारों के सम्मेलन में : .....

62. इंटरनेट क्रांति : वैज्ञानिक आविष्कार का चित्रण :: ईमानदारों के सम्मेलन में : .....

63. मेरा बचपन : आत्मकथा :: महिला की साहसगाथा : .....

64. बसंत की सच्चाई : स्वाभिमानी गुण :: महिला की साहसगाथा : .....

65. कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : .....

66. तेनजिंग नोर्गे : एवरेस्ट पर चढनेवाले पहला पुरुष :: जुंके ताबी : .....

67. एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली विदेशी महिला : जुंके ताबी :: .....

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 3

गतिविधि : - 6. व्याकरणांश

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	व्याकरण विषय ज्ञान	3	
2	व्याकरण नियम का पालन	3	
3	लेखन चिन्हो का प्रयोग	3	
4	शुद्धता	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN

निम्नलिखित व्याकरणांश को पूर्ण कीजिए :

व्याकरणांश :

1. निम्नलिखित कारक के सामने प्रत्यय लगाकर दो दो उदाहरण दीजिए।

1.कर्ता कारक -	2. कर्म कारक -	3. करण कारक -
* ..... *	* ..... *	* ..... * .....

4. संप्रदान कारक -	5. अपादान कारक -	6. संबंध कारक -
* ..... *	* ..... *	* ..... * .....

7. अधिकरण कारक -	8, संबोधन कारक
* ..... *	* ..... * .....

2. निम्नलिखित संधि के तीन-तीन उदाहरण दीजिए।

1. दीर्घ संधी :- .....
2. गुण संधी :- .....
3. वृद्धि संधी :- .....
4. यण संधी :- .....
5. अयादि संधी : - .....

3. निम्नलिखित समास के तीन-तीन उदाहरण दीजिए।

1. अव्ययीभाव समास :- .....
2. कर्मधारय समास :- .....
3. तत्पुरूष समास : .....
4. द्विगु समास :- .....
5. द्वंद्व समास :- .....
6. बहुव्रीहि समास :-

4. निम्नलिखित विराम चिह्न के लिए एक - एक उदाहरण दीजिए।

1. अल्प विराम (,) :- .....
2. अर्ध विराम (;) :- .....
3. पूर्ण विराम (।) :- .....
4. प्रश्न चिन्ह (?) :- .....
5. भावसूचक विस्मयादिबोधक चिह्न (!) : .....
6. योजक चिह्न (-) :- .....
7. उद्धरण चिह्ना (" ") (') : .....
8. विवरण चिन्ह (:-)(:) : .....
9. कोष्टक चिन्ह ( ) :- .....

5. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार बहुवचन शब्द लिखिए।

उदा : रेवड़ी - रेवड़ियाँ	उदा : डिब्बा – डिब्बे	उदा : चादर - चादरें ,
1. कहानी -	1. पत्ता -	1. दूकान –
2. मछली -	2. बेटा -	1. बात -
3. नाती -	3. पोता -	उदा : माला - मालाएँ
4. बेटी -	4. लिफाफा -	3. नौका -
5. कंपनी -	5. कपड़ा –	4. पत्रिका -

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

1. होश x	10. आयात x	19. सहयोग x
2.छोटा x	11. पास x	20. बुद्धिमान x
3.सुबह x	12. अपना x	21. लाभ x
4. बहुत x	13. गरीब x	22. शांति x
5. नर x	14. रात x	23. आज x
6. बरीदना x	15. स्वदेश X	24. प्राचीन x
7. शिक्षित x	16. अच्छा x	25. चढना x
8. आवश्यक x	17. मान x	26. दया x
9. गाँव x	18. विश्वास x	27. अज्ञान x

7. निम्नलिखित शब्दों के अन्य लिंग रूप लिखिए :

1. कुत्ता -	4. श्रीमान -	7. लेखक -	10. दुबला -
2. लड़का -	5. भाई -	8. रानी -	11. पतला -
3. बच्चा -	6. बाप। -	9. साहब -	12. मयूर -

8. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार क्रिया शब्दों के प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

क्रिया	प्र. प्रेरणार्थक रूप	द्वि. प्रेरणार्थक रूप		क्रिया	प्र. प्रेरणार्थक रूप	द्वि. प्रेरणार्थकरूप
1. गिरना	गिराना	गिरवाना		12. पढ़ना	पढ़ाना	पढवाना
2. सीखना	.....	.....		13. देखना	.....	.....
3. लगना	.....	.....		14. सुनना	.....	.....
4. करना	.....	.....		15. लौटना	.....	.....
5. जगना	.....	.....		16. उतरना	.....	.....
6. भेजना	.....	.....		17. पहनना	.....	.....
7. चलना	.....	.....		18. बनना	.....	.....
8. रोना	.....	.....		19. ठहरना	.....	.....
9. धोना	.....	.....		20. हँसना	.....	.....
10. देना	.....	.....		21. उड़ना	.....	.....
11. ठहरना	.....	.....		22. उठना	.....	.....

9. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखिए :

1. अंगारे उगलना - .....
2. खून पसीना एक करना - .....
3. दाल न गलना - .....
4. आग बबूला होना - .....
5. सिर निचे होना - .....
6. नाक कटना - .....
7. चार चाँद लगाना - .....
8. कान खडे होना - .....
9. हवा में बातें करना - .....
10. बात का धनी - .....
11. राहत की साँस लेना - .....
12. पौ फटना - .....
13. आँखे दिखना - .....
14. छकके छुडाना - .....
15. टस से मस ना होना - .....
16. कमर कसना - .....
17. फूला नही समाना - .....
18. हाथों के तोते उडना - .....
19. दो दिन का मेहमान - .....
20. पसीना बहाना - .....
21. अंगूठा दिखाना - .....
22. अपना उल्लू सीधा करना - .....
23. आग बबूला होना - .....
24. आसमान सिर पर उठाना - .....
25. खून पसीना एक करना - .....
26. पेट पर लात मारना - .....

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 4

गतिविधि : - 7. प्रश्नोत्तर माला

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	वर्तनि का प्रयोग	3	
2	लिखावट मे शुद्ता	3	
3	विषय ज्ञान	3	
4	स्पष्ट लेखन	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रश्नोत्तर माला :

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन या चार वाक्यों में लिखिए :

1 . भारत माँ के प्रकृति सौंदर्य का वर्णन कीजिए ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

2 . मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

• .....

3. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

• .....

4. "कश्मीरी सेब " कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

5. लेखिका ने गिल्लू की प्राण कैसे बचाया ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

• .....

6. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

उ • .....

- .....
- .....
- .....
- .....

7. दिनकर जी के अनुसार 'मानव का सही परिचय ' क्या है ?

उ • .....

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

8. आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या क्या देती थी ?

उ • .....

- .....
- .....
- .....

9. जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते थे?

उ • .....

- .....
- .....
- .....
- .....

10. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा ??

उ • .....

- .....
- .....
- .....

11. फूल मालएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

12. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाता था ? या कृष्ण बलराम के प्रति क्यों नाराज़ है ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

13.यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ? अथवा यशोदा कृष्ण को किस प्रकार सांत्वाना देती है ?

उ • .....

• .....

• .....

14. वीडियो कान्फरेन्स के बारे में लिखिए ।

उ • .....

• .....

• .....

• .....

II .निम्नलिखित प्रश्नों को पाँच -छ: वाक्यों में दीर्घ उत्तर लिखिए :

1. सोशियल नेटवर्किंग के बारे में आप क्या जानतेहैं ? अथवा सोशियल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज़ है । कैसे ?

उ • .....

• .....

• .....

• .....

• .....

2. समय की पहचान कविता का संक्षिप्त सारांश लिखिए। अथवा समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उ • .....

• .....

• .....

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

3. गिल्लू के क्रिया-कलाप के बारे में लिखिए ?

उ • .....

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

4. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए ?

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

5. सेब के हालत के बारे में लिखिए ?

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

6. बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे ? या बसंत स्वाभिमानी और ईमानदार लड़का था। कैसे ?

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

7. पं. राजकिशोरजी के मानवीय व्यवहार के बारे में लिखिए। अथवा पं. राजकिशोर मानवता के मूर्ति थे ? कैसे ?

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

8. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ?

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

9. कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है। कैसे ? अथवा कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ?

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

10वी कक्षा

रचनात्मक मूल्यांकन – 4

गतिविधि : - 8. कन्नड़ में अनुवाद

छात्र / छात्रा का नाम : -

हां. सं : -

मूल्यांकन मानक		अंक भार	
क्र.सं		निर्धारित अंक	अर्जित अंक
1	कन्नड़ भाषा का ज्ञान	3	
2	लिखावट मे शुद्ता	3	
3	विषय ज्ञान	3	
4	समझकर लिखना	3	
5	समग्र प्रस्तुतिकरण	3	
	कुल अंक	15	

MD ZAKIR . A . KOTWAL, M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN . CONTACT NO - 9740981536

निम्नलिखित अनुच्छेद का अनुवाद कन्नड़ या अंग्रेजी में कीजिए :

कन्नड़ में अनुवाद :

1. कल श्याम को चौक में दो-चार जरुरी चीजें खरिदने गया था। पंजाबी मेवाफरोशों की दूकानें रास्ते में ही पडते हैं। एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नजर आये।

1 .....

.....

2. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी । अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे । मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटामिन हैं।

2. .....

.....

3. लौंडा चार सेब लाया। दूकानदार ने तौला, एक लिफाफे में रका और रुमाल में बाँधकर मुझे दे दिया। मैंने चार आने उसके हाथ में रखे।

3. .....

.....

4. दूकानदार ने जानबूझकर मेरे साथ धोखेबाजी का व्यवहार किया। एक सेब सडा हुआ होता, तो मैं उसको क्षमा के योग्य समझता । सोचता, उसकी निगाह न पडी होगी ।

4. .....

.....

5. हम उसे गिल्लू कहकर बुलाने लगे। मैंने फूल रखने की हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिडकी पर लटका दिया।

5. .....

.....

6. गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। •दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया ।

6. .....

.....

7.पंजे ठंडे हो रहे थे, लेखिका हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

7. .....

.....

8. मैं कई बच्चों में से एक था, लंबे-चौडे व सुंदर माता-पिता का छोटी कद-काठी का साधारण दिखनेवाला बच्चा। हम लोग अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

8. .....

.....

9. बचपन में मेरे तीन पक्के दोस्त थे – रामानंद शास्त्री , अरविंदन और शिवप्रकाश। ये तीनों ही ब्राह्मण परिवार से थे। रामानंद शास्त्री तो रामेश्वरम् मंदिर के सबसे बड़े पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री का बेटा था।

9. .....

.....

.....

10. आज का युग इंटरनेट युगहै । आज इनसान के लिए खाना-पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक होगया है।

10. .....

.....

11. इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दूकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है।

11 .....

.....

12. स्टेशन पर हरिशंकर परसाई जी का खूब स्वागत हुआ। लगभग दस बडी पहनायी गयीं। तब वे सोचते हैं, आस-पास माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता।

12. .....

.....

.....

13. सम्मेलन का उदघाटन शानदार हुआ। हरिशंकर परसाई जी लागभग एक घंटे तक भाषण दिये । वे चप्पल पहनने गये तो, चप्पलें गायब थीं।

13. .....

.....

14. "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर । तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं"।

14. .....

.....

15. दोनों दोस्तो ने मकान बनाना चाहते थे। मकान कैसे बनाते हैं इसके बारे में वे नहीं जानते थे । इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पडे।

15. .....

.....

16. भैंस ने दोनों दोस्तों को अपने भैंसे का पंजर दिखाया। जैसे इस पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पडी है, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाडकर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लो।

16 .....

.....

.....

17. मछली ने माकान बनाने के बारे दोनों दोस्तों से कहा, पेडों से बहुत-सी पत्तियाँ तोड लो। मेरी पीठ की पट्टियों जैसी इन पत्तियों को छप्पर पर जमा कर दो।

17. .....

.....

18. साधोराम वर्षों से सक्सेना परिवार में काम करता था। एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराना पडा।

18. .....

.....

19. वर्ष २०३० के नवंबर का महीना था। दफ्तर अभी खुला ही था। एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से दफ्तर के फर्श को साफ कर रहा था ।

19 .....

.....

20. रोबोनिल रोबोट बहुत बुद्धिमान रोबोट था। वह नाती-पोतों का होमवर्क कराना, सुबह नाश्ता करना, छोटे बच्चों को कहानियाँ सुनाना आदि काम करता था। साथ ही वर्ड प्रोसेसर पर काम सँभालता था।

20 .....

.....

.....

21. आइजक आसिमोव रोबोटिकी नियमों के वैज्ञानिक लेखक हैं। रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण न बने । साथ ही, किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा न पहुँचे।

21. .....

.....

22. बिछेंद्रीपाल का जन्म एक साधारन भारतीय परिवार में हुआ था । पिता किशनपाल सिंह और माँ हंसादेई नेगी थी। उनके पाँच संतानों में यह तीसरी संतान है।

22. .....

.....

23. कर्नाटक राज्य भारत देश का प्रगतिशील राज्य है। यहाँ की आबादी लगभग छः करोड़ से ऊपर है। प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृध्द बनाया है।

23. .....

.....

24. कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गये हैं। बेंगलुरु शिक्षा का ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों का भी केंद्र है।

24. .....

.....

.....

.

S.S.L.C

HINDI ACTIVITIES NOTES

2021-22

PREPARED BY

MD ZAKIR .A. KOTWAL

M.D.R.S BELUR TOWN , HASSAN

S.S.L.C INTERNAL ASSESSMENT 2021-22

प्रत्येक गतिविधियों में छात्र द्वारा अर्जित अंक

छात्र का नाम :- साहिल,

पाठशाला का नाम :- मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला बेलूर टौन,

हा.सं :- 25 विषय : - हिंदी 10वी कक्षा वर्ष :- 2021-22

रचनात्मक मूल्यांकन	गतिविधि संख्या	गतिविधि का नाम	मानक					कुल 15 अंक के लिए	व्यापक 50 अंक के लिए	छात्र / छात्रा के हस्ताक्षर
			3	3	3	3	3			
FA - 1	1	पत्र लेखन	3	3	3	3	3	15	49	
	2	निबंध लेखन	3	3	3	3	2	14		
					कुल 30 अंक के लिए			29		
	उपलब्धि परीक्षा -1				20 अंक के लिए			20		
FA -2	3	पद्य लेखन और गायन	3	3	3	3	3	15	50	
	4	भावार्थ लिखिए	3	3	3	3	3	15		
					कुल 30 अंक के लिए			30		
	उपलब्धि परीक्षा -2				20 अंक के लिए			20		
FA - 3	5	अनुरूपता	3	3	3	3	3	15	49	
	6	व्याकरणांश	3	3	3	2	3	14		
					कुल 30 अंक के लिए			29		
	उपलब्धि परीक्षा -3				20 अंक के लिए			20		
FA - 4	7	प्रश्नोत्तर माला	3	3	3	3	3	15	50	
	8	कन्नड़ में अनुवाद	3	3	3	3	3	15		
					कुल 30 अंक के लिए			30		
	उपलब्धि परीक्षा - 4				20 अंक के लिए			20		

FA - 1 + FA - 2 + FA - 3 + FA - 4	कुल 200 अंक के लिए	198	20 के लिए 19.8

MD ZAKIR KOTWAL

विषय शिक्षक

प्रधानाचार्यजी

MD ZAKIR . A . KOTWAL, M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN . CONTACT NO - 9740981536

तीन दिन की छुट्टी मांगते हुए अपने प्रधानाचार्य जी को एक पत्र लिखिए :

1. छुट्टी पत्र

दिनांक : 23 - 08 - 2021

प्रेषक,

अ.ब.क,
10वी कक्षा,
मोराजी देसाई आवासीय पाठशाला,
बेलूर टौन, हासन – 573115,

सेवा में,

प्रधानाध्यापकजी,
मोराजी देसाई आवासीय पाठशाला,
बेलूर टौन, हासन – 573115,

आदरणीय महोदय,

विषय : तीन दिन की छुट्टी की प्रार्थना हेतु ।

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपसे निवेदन है कि दिनांक: 24 - 08 - 2021 से 26 – 08 – 2021 तक मुझे अपने भाई की शादी में भाग लेने कारण मैं विद्यालय नहीं आ सकता/ती । अतः आपसे प्रार्थना करता/ती हूँ कि इन तीन दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवाद सहित

आपका आज्ञाकारी छात्र / छात्रा,
अ.ब.क

अभिभावक के हस्ताक्षर ,

अन्य कारण-

1. मुझे अपने त्योंहार में भाग लेने कारण,
2. मेरी तबियत खराब होने के कारण ,
3. मेरे दोस्त की जन्म दिवस में भाग लेने कारण,

शैक्षिक यात्रा के लिए 500 रू माँगते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए :

2. पिताजी को पत्र

प्रेषक,

साहिल,
मोरार्जी देसाई आवासीय पाठशाला,
बेलूर टौन, बेलूर (ता)
हासन (जि) : 573115,
दिनांक : 27 - 08 - 2021

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

आपके आशीर्वाद से मैं यहाँ सकुशल हूँ। आपका पत्र पढकर अत्यंत खुशी हुई। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन रात पढ़ाई कर रहा हूँ। स्कूल में शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया है। मुझे भी जाने की बडी इच्छा है। अतः आप मुझे अनुमती के साथ 500 रू. भेजने की कृपा करें।

माता जी को मेरा प्रणाम , छोटी बहन को ढेर सारा प्यार |

आपका आज्ञाकारी पुत्र,
साहिल

सेवा में,

अब्दुल रेहमान,
घर सं - 20/11,
जबीन मंजिल,
गोकर्ण,
कारवार 581326

अपनी पढ़ाई के बारे में बताते हुए अपने माताजी को एक पत्र लिखिए :

3. माताजी को पत्र

प्रेषक,

कृतिका,

मो. दे. आवासीय पाठशाला,

बेलूर टौन,

हासन जिला,

दिनांक : 24 - 08 - 2021

पूजनीया माताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ आपके आशीर्वाद से सकुशल हूँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर अत्यंत खुशी हुई। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन रात पढ़ाई कर रही हूँ। खेल-कूद या गपशप में ज्यादा समय नहीं गवाँ रही हूँ। इस बार वार्षिक परीक्षा में 90% से ज्यादा अंक निकालने का प्रयत्न कर रही हूँ।

घर में पिताजी को मेरा प्रणाम और छोटों को ढेर सारा प्यार।

आपकी प्रिय पुत्री,

कृतिका

सेवा में,

श्रुमती कमला देवी,

घर सं 320,

देवांग गली बेलूर,

बेलूर तालुक,

हासन जिला-573115

****

" इंटरनेट क्रांति " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

1. निबंध - इंटरनेट क्रांति

प्रस्तावना ;-

आज का युग इंटरनेट का युग है। इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है । पूरि दुनिया में इंटरनेट एक बहुत ही शक्तिशाली माध्यम है ।

अर्थ :-

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे संबंध स्थापित करने का जाल है। आज मनुष्य के लिए खाना पीना जितना जरूरी है उतना ही यह इंटरनेट ।

लाभ / वरदान :-

- इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं कोई भी बिल भर सकते है।
- इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।
- इंटरनेट चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान,शिक्षा आदि में अपना कमाल दिखाया है।
- विडियो कान्फरेन्स द्वरा देश-विदेश में रहनेवाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते हैं ।
- इंटरनेट द्वारा पल भर में कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र , हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेज सकते है ।
- संचार व सूचना दोनो क्षेत्र में अंतर्जाल एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है |
- सोशल-नेटवर्किंग के अनेक साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों का रहन-सहन, वेश-भूषा,खान-पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।
- वर्चुअल मीटिंग रुम (काल्पनिक सभागार भागार) में एम जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं ।

हानियाँ / अभिशाप :-

- इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है।
- मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढी ही नही बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फंसे हुए हैं ।
- इससे वक्त का दुरुपयोग होता है, और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे है।
- इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बड रही है ।
- इसलिए हम लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए।

उपसंहार:-

इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी है। उसका उपयोग सोच-समझकर करना चाहिए।वैज्ञानिक अविष्कारों ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है ।

****

MD ZAKIR . A . KOTWAL, M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN . CONTACT NO - 9740981536

" जनसंख्या की समस्या" इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

2. निबंध - जनसंख्या की समस्या

विषय प्रवेश :-

आज भारत जनसंख्या की दृष्टि से दूसरे स्थान में है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण सारी योजनाएँ विफल होती जा रही है। अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इसलिए यह जनसंख्या समस्या एक गंभीर समस्या बन गई है।

जनस्म्ख्या की वृध्दि के कारण :-

- अंधविश्वास तथा रूढ़िवादिता के कारण जन्संख्या बढ़ती जा रही है।
- भारतीय लोग संतान को ईश्वरीय देन समझते हैं तथा भाग्य के साथ जोड़ देते है।
- जनन दर में वृध्दि और मृत्यु दर में कमी।
- अशिक्षा, अशिक्षित लोगों को इस बात का ज्ञान नहीं है कि छोटे परिवा के क्या फायदे हैं।
- परिवार नियोजन जैसे उपायों को सामान्यतः अच्छी नज़र से नहीं देखा जाना।
- उत्पादन की वृध्दि में जनशक्ति को अधिक महत्व देना।
- परिवार नियोजन सदृश उपचारों को अपनाने के प्रति विशेष उत्साह नहीं दिखाने के कारण

परिणाम :-

- जनसंख्या की वृध्दि से पर्यावरण की समस्या उत्पन् हो गई है।
- जनसंख्या विस्फोट के कारण बेकारी की समस्या में भी वृध्दि हुई है।
- जनसंख्या के कारण देश की प्रगति कुंटित होती जा रही है।
- जनसंख्या के कारण महत्वाकांक्षी एवं सुविचारित योजनाएँ अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते हैं।
- जनसंख्या की वृध्दि में अपराधो में वृध्दि हुई है।
- जनसंख्या विस्फोट के कारण दिन-प्रति दिन महँगाई बढ़ रही है।

निवारण उपाय :-

- हम परिवार को छोटे से छोटा रखने का प्रयास करें।
- संचार माध्यमों के द्वारा छोटे परिवार से होनेवाले फायदों का प्रचार-प्रसार करें।
- सरकारी योजनाओ का पालन करें |

उपसंहार:-

- हमारे देश के विकास में जनसंख्या की वृध्दि एक बहुत बड़ी बाधा है यातायात शिक्षा, रोजगार आदि विविध क्षेत्रों में जनसंख्याकी वृध्दि सिरदर्द बन गयी है।
- इस समस्या से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है-देश का प्रत्येक नागरिक इस समस्या का हल करने का प्रयास करें।

****

MD ZAKIR . A . KOTWAL, M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN . CONTACT NO - 9740981536

" स्वच्छ भारत अभियान " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

3. निबंध - स्वच्छ भारत अभियान :

प्रस्तावना :-

स्वच्छता न केवल हमारे घर सड़क तक के लिए ही जरूरी नहीं होती यह देश और राष्ट्र की आवश्यकता होती है| इससे न केवल हमारा घर आंगन ही स्वच्छ रहेगा पूरा देश ही स्वच्छ रहेगा इसी को मद्दे नजर रखते हुए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वच्छ भारत अभियान जो कि हमारे देश के प्रत्येक गांव और शहर में प्रारंभ की गई है |

विषय प्रवेश :-

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुवात की है। देश के प्रत्येक गली गांव के प्रत्येक सड़कों से लेकर शौचालय का निर्माण कराना और देश के बुनियादी ढांचे को बदलना ही इस अभियान का उद्देश्य है ।

स्वच्छ भारत अभियान की आवश्यकता :-

- भारत के कई शहर गांव मोहल्ले गली कूड़े करकट और गंदगी से भरी पड़ी है।
- लोग घर में शौचालय नहीं होने के कारण खुले में जाने से नई बीमारियों को आमंत्रण देते हैं ।
- हमारे आस पास के नदी नाले कचरे से इस तरह भरे हुए हैं जैसे कि पानी की जगह कचरा बह रहा है ।
- इस कचरे के कारण हमारे साथ साथ अन्य जीव-जंतुओं को भी नुकसान होता है साथ ही हमारी पृथ्वी भी प्रदूषित होती है।

देश के स्वच्छ न होने के कारण :-

- हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही पिछड़ा हुआ है शिक्षा के अभाव के कारण गंदगी फैलती है।
- खराब मानसिकता के कारण लोग कचरा इधर-उधर फेंक देते हैं।
- घर में शौचालय नहीं होने के कारण लोग खुले में शौचालय जाते हैं ।
- देश में जनसंख्या की समस्या के कारण गंदगी फैलती है।
- कचरे का सही प्रकार निस्तारण नहीं होने के कारण गंदगी फैलती है ।

देश को स्वच्छ रखने के उपाय:-

- हमें देश के हर घर में शौचालय बनवाने होंगे ।
- हर शहर हर गांव की सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक शौचालय बनवाने होंगे ।
- लोगों में साफ सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलानी होगी।
- हमें जगह जगह पर कचरा पात्रों का निर्माण करना होगा।
- हमें बढ़ती हुई जनसंख्या को कम करना होगा।

उपसंहार :-

आज स्कूलों में भी स्वच्छ भारत अभियान के कार्य होने लगे हैं स्वच्छता से न केवल हमारा तन साफ रहता है हमारा मन भी साफ रहता है स्वच्छ भारत अभियान की मशाल आज हमारे पूरे भारत के लिए आवश्यक है जिसके तहत कई कार्य किए जा रहे हैं ।

****

" पर्यावरण प्रदूषण " इस विषय पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए :

4. निबंध - पर्यावरण प्रदूषण :

अर्थ :- :-

पर्यावरण शब्द का अर्थ है हमारे चारों ओर कवातावरण हमारे चारों ओर रहनेवाला जैविक तथा अजैविक घटकों के सन्निवेश को पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरण में दूषक पदार्थों के प्रवेश के कारण प्राकृतिक संतुलन में पैदा होनेवाली स्थिती को ही पर्यावरण प्रदूषण कहते हैं।

प्रदूषण के प्रकार :- आज हम देख सकते हैं कि हमारा पर्यावरण बहुत प्रदूषित बन गया है।मुख्य रूप से पर्यावरणप्रदूषण के तीन प्रमुख प्रकार है, जैसे १. वायु प्रदूषण २.जल प्रदूषण ३. ध्वनि (शब्द) प्रदूषण

पर्यावरण-प्रदूषण के कारण :-

- प्रदूषण का मुख्य कारण बढती हुई जनसंख्या है।
- बढ़ती हुई जनसंख्या से मोटरों की संख्या भी ज्यादा बढ़ती है मोटर गाड़ियों से निकलने वाले धुएं से वायु प्रदूषण होता है।
- कारखानों से निकलनेवालें धुआँ, विषैली गैस से वायु प्रदूषण हो रही है।।
- अज्ञान के कारण लोग अपने कपड़े नदी नाले के पास थाते है इस से जल प्रदूषण होता है।
- कारखानों से निकलनेवाली रासानिक त्याज्य को जलमूलों में छोडने से जल प्रदूषण होता है।
- मोटोरों की, कल-कारखानों की भोंपों से शब्द प्रदूषण होता है।
- शुभकार्यो के संदर्भ में लगाई जानेवाली सौंड-सिस्टम के कारण शब्द प्रदूषण हो रहा रहा है।

निवारण उपाय :-

- मानव जन संख्या वृद्धी को रोकना चाहिए,
- नागरिकों में प्रदूषण के कुप्रभावों का ज्ञान कराना चाहिए
- अधिक-से-अधिक वृक्षरोपण करना चाहिए
- घरेलु और कारखानों से निकले हुए अपशिष्ट पदार्थो को नदी, नालो एवं तालाबों में नही डालना चाहिए,
- लोगों में ध्वनि प्रदूषण से होने वाले रोगों से जानकारी करवाकर उन्हे जागरुक कराना चाहिए।

उपसंहार :-

- वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण जन-जीवन के लिए एक गंभीर समस्या है।
- इसलिए आज पर्यावरण की रक्षा हर एक नागरिक का कर्तव्य है।
- हर एक को इसका महत्व समझाना तथा यथसाध्य पेड-पौधों को लगाने प्रेरित करना चाहिए।

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN

" मातृभूमि " इस कविता को लय के साथ सस्वर गायन करके एक बार स्पष्ट रूप से लिखिए :

1. कविता - मातृभूमि

कवि - भगवतीचरण वर्मा

मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम !
अमरों की जननी, तुमको शत-शत बार प्रणाम !
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम ।
तेरे उर में शायित गांधी, बुद्ध और राम,
मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम ।

हरे-भरे हैं खेत सुहाने,
फल-फूलों से युत वन-उपवन,
तेरे अंदर भरा हुआ है खनिजों का कितना व्यापक धन ।
मुक्त-हस्त तू बाँट रही है
सुख-संपत्ति, धन-धाम,
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम ।

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे, हे माँ,
कोटि-कोटि हम आज साथ में।
गूंज उठे जय-हिंद नाद से
सकल नगर और ग्राम,
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम ।

****

निम्नलिखित कविता के अंतिम छे पंक्तियों को सस्वर गायन करके कविता को पूर्ण रूप से लिखिए :

2. कविता - कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

कवि - सोहनलाल द्विवेदी

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

****

"तुलसी के दोहे " इन दोहों को सस्वर गायन करके एक बार स्पष्ट रूप से लिखिए :

3. दोहे - तुलसी के दोहे

दोहाकार - गोस्वामी तुलसीदास

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।

   पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ।।

2. जड़ चेतन, गुण-दोषमय, विस्व कीन्ह करतार ।

   संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ।।

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।

   तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ।।

4. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक ।

   साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ।।

5. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार ।

   तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ।।

....

MD ZAKIR . A . KOTWAL , M.D.R.S BELUR TOWN, HASSAN

निम्नलिखित पद्य भाग का भावार्थ लिखिए :-

1. भावार्थ : - तुलसी के दोहे

दोहाकार - गोस्वामी तुलसीदास

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥

भावार्थ : - प्रस्तुत दोहे को तुलसीदास लिखित तुलसी के दोहे से लिया गया है। तुलसीदास कहते हैं कि जिस तरह मुँह खाने-पीने का काम अकेले करता है और शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। उसी तरह मुखिया भी काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी को मिले।

2.जड,चेतन,गुण-दिषमय, विस्व कीन्ह करतार।
संत-हंस गुण गहहिं पय,परिहरि वारि विकार ॥

भावार्थ :- प्रस्तुत दोहे को तुलसीदास लिखित तुलसी के दोहे से लिया गया है।तुलसीदास कहते हैं कि सृष्टिकर्ता इस दुनिया को अच्छे-बुरे एवं गुण दोष से मिलाकर बनाया है। लेकिन हम, हंस रूपी साधु की तरह विकारों को छोडकर अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

भावार्थ :- प्रस्तुत दोहे को तुलसीदास लिखित तुलसी के दोहे से लिया गया है।तुलसीदास कहते हैं कि दया धर्म का मूल है और पाप का मूल अभिमान है। इसलिए मनुष्य को शरीर में जब तक प्राण है, तब तक अपना अभिमान छोडकर दयालु बने रहना चाहिए।

4. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥

भावार्थ :- प्रस्तुत दोहे को तुलसीदास लिखित तुलसी के दोहे से लिया गया है।तुलसीदास कहते हैं कि मनुष्य पर जब विपत्ति पडती है,तब उसकी विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर भरोसा करने वाला साहसी,सुकृती और सत्यवान बनता है।

5. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भितर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ॥

भावार्थ : - प्रस्तुत दोहे को तुलसीदास लिखित तुलसी के दोहे से लिया गया है ।तुलसीदास कहते हैं कि जिस तरह देहरी पर दीया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि दोनो होती है।

2. भावार्थ : - मातृभूमि

कवि :- भगवतीचरण वर्मा

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे, हे माँ,,
कोटि-कोटि हम आज साथ में।
गूंज उठे जय-हिन्द नाद से
सकल नगर और ग्राम।
मातृ -भू. शत-शत बार प्रणाम।

भावार्थ : - इन उपर्युक्त पंक्तियों को भगवती चरण वर्मा लिखित मातृभूमि पद्य से लिया गया है । कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में कहते है कि भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है। इन दोनों के सहायता से हे माँ जग का रूप बदल दें, कोटि-कोटि भारत वासी आज तेरे साथ है इस प्रकार निवेदन करते है और भारत के सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूंजना चाहिए।हे मातृभूमि तुम्हें सौ सौ बार प्रणाम।

****

निम्नलिखित शब्दों के अनुरूप शब्द लिखिए :

अनुरूपता :

1. सेव : कश्मीर :: संतरा : नागपुर
2. पताका : न्याय का प्रतीक :: दीप : ज्ञान का प्रतीक
3. केला : पीला रंग :: सेब : लाल/गुलाबी रंग
4. अभिनव मनुष्य : रामधारीसिंह दिनकर :: मतृभूमि : भगवतीचरण वर्मा
5. तुलसी के दोहे : रामभक्ति की झलक :: मतृभूमि : देशप्रेम की झलक
6. बायें हाथ में : न्याय का पताका :: दाहिने हाथ में : ज्ञान का दीप
7. कर्नाटक संपदा : निबंध :: कश्मीरी सेब : कहानी
8. मेरा वचपन : अब्दुल कलाम :: कश्मीरी सेव : प्रेमचंद
9. सेब बेचनेवाला : बेईमान निकला :: रेवडियाँ बेचनेवाला : ईमानदार निकला
10. निमकौडी : कडुवा :: कश्मीरी सेब : मीठा
11. गोदान : उपन्यास :: पंच परमेश्वर : कहानी
12. सूर-शाम : कृष्ण की बाललिला का वर्णन :: मतृभूमि : भारत माता का वर्णन
13. कर्नाटक संपदा : महान व्यक्तियों का स्मरण :: मतृभूमि : महान विभूतियों का स्मरण
14. कपडा : नापना :: टोमाटो : तोलना
15. मेरा बचपन : आत्मकथा :: गिल्लू : रेखाचित्र
16. हंस : सफेद :: कौआ : काला
17. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कश स्वर
18. बिल्ली : म्याऊँ – म्याऊँ :: गिल्लू : चिक-चिक
19. गुलाब : पौदा :: सोनजुही : लता
20. गिल्लू की पूँच : छब्बेदार :: गिल्लू की आँखे : चंचल चमकीले
21. उपन्यास साम्राट : प्रेमचंद :: आधुनिक मीरा : महादेवी वर्मा
22. बसंत की सच्चाई : ईमानदारी की सीख :: गिल्लू : प्राणी दया की सीख
23. ईमानदारों के सम्मेलन में : हरिशंकर परसाई :: गिल्लू : महादेवी वर्मा।
24. बाल-शक्ति : लघु नाटिका :: मेरा बचपन : आत्मकथा
25. ईमानदारों के सम्मेलन में : हरिशंकर परसाई :: मेरा बचपन : अब्दुल कलाम
26. आशियम्मा : आदर्श जीवनसंगिनी :: जैनुलाबदीन : आडंबरहीन व्यक्ति
27. बिछेद्री पाल का बचपन : कष्ट में बीता :: अब्दुल कलाम का बचपन : सादगी में बीता
28. पक्षी लक्ष्मण शास्त्री : शिव मंदिर के पुजारी :: अहमद जलालुद्दीन : स्थानीय ठेकेदार
29. अहमद जलालुद्दीन : स्थानीय ठेकेदार :: श्म्सुद्दीन : अखबार वितरक
30. बसंत की दुर्लभ गुण : ईमानदारी :: अब्दुल कलामजी की दुर्लभ वस्तु : पुस्तक
32. रोबोट : कहानी :: बसंत की सच्चाई : एकांकी

33. गिल्लू : प्राणी दया की सीख :: बसंत की सच्चाई : ईमानदारी की सीख

34. कश्मीरी सेब : सावधानी की सीख :: बसंत की सच्चाई : प्रामाणिकता की सीख

35. बसंत : स्वाभिमानी/परिश्रमी लडका :: पंडित राजकिशोर : मजदूरों के नेता

36. पंडित राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : भीखू अहीर के घर (अहीर टीला)

37. महादेवी वर्मा : प्राणियों के प्रति हमदर्दी दिखाना :: पंडित राजकिशोर : कंगालों प्रती हमदर्दी दिखाना

38. महादेवी वर्मा : प्राणी दया की प्रेरणा :: पंडित राजकिशोर : सहायता के प्रति की प्रेरणा

39. रामू : बेईमान :: बसंत : ईमान

40. सूर-श्याम : पद :: तुलसी के दोहे : दोहा

41. सूरदास : कृष्ण भक्तिशाखा के प्रवर्तक :: तुलसीदास : राम भक्तिशाखा के प्रवर्तक

42. सूरदास : सूरसागर :: तुलसीदास : रामचरित मानस

43. धनपतराय : प्रेमचंद का वास्तविक नाम :: रामबोला : तुलसीदास जी का बचपन का नाम

44. पाप का मूल : अभिमान :: धर्म का मूल : दया

45. जीब की तुलना : देहरी से :: राम नाम की तुलना : दीप से

46. देहरी पर दिया रखने से : भीतर व आँगन में प्रकाश :: राम नाम जपने से : आंतरिक व बाह्य शुद्धि

47. मुखिया का गुण : मुँह के समान :: संत का गुण : हंस के समान

48. धर्म के साथी : दया :: विपत्ति के साथी : विद्या विनय विवेक

49. महिला की साहमगाथा : व्यक्ति परिचय :: इंटरनेट-क्रांति : निबंध

50. ई-गवर्नेन्स : प्राशासन पारदर्शी :: विडियो कान्फरेन्स : विचार विनिमय

51. ई-गवर्नेन्स : पारदर्शी प्रशासन :: सोशल नेटवर्क : क्रांतिकारी खोज

52. इंटरनेट : अंतर्जाल :: फेसबुक : साइट्स

53. कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : अंतर्जाल

54. आई.टी : इनफार्मेशन टैक्नोलाजी :: आई.टी.ई.एस : इनफार्मेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस

55. फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : अभिशाप

56. इंटरनेट बौकिंग : वरदान :: इंटरनेट हैकिंग : अभिशाप

57. इंटरनेट एक ओर : वरदान :: इंटरनेट दूसरी ओर : अभिशाप

58. विडियो कान्फरेन्स : विचार विनिमय करना :: इनफामेशन टैक्नोलाजी : बेरोजगार दूर करना

59. गिल्लू : रेखा चित्र :: ईमानदारों के सम्मेलन में : व्यंग्य रचना

60. कश्मीरी सेब : प्रेमचंद :: ईमानदारों के सम्मेलन में : हरिशंकर परसाई

61. कश्मीरी सेब : दोखेबाजी पर प्रकाश :: ईमानदारों के सम्मेलन में : बेईमानों का पर्दाफाश

62. इंटरनेट क्रांति : वैज्ञानिक आविष्कार का चित्रण :: ईमानदारों के सम्मेलन में : हास्य व व्यंग्य का चित्रण

63. मेरा बचपन : आत्मकथा :: महिला की साहसगाथा : व्यक्ति परिचय

64. बसंत की सच्चाई : स्वाभिमानी गुण :: महिला की साहसगाथा : साहसी गुण

65. कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : शीखर

66. तेनजिंग नोर्गे : एवरेस्ट पर चढनेवाले पहला पुरुष :: जुंके ताबी : एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली महिला

67. एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली विदेशी महिला : जुंके ताबी :: एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला : बिछेंद्री पाल

निम्नलिखित व्याकरणांश को पूर्ण कीजिए :

व्याकरणांश : -

1.कारक :-

1.कर्ता कारक - ने. (प्रथमा – ಉ)	2. कर्म कारक - को (द्वितीया - ಅನ್ನು)	3. करण कारक- से (तृतीया- ಇಂದ)
* राम ने फल खाया - ರಾಮನು ಹಣ್ಣನ್ನು ತಿಂದನು.	* रावण को मारा - ರಾವಣನನ್ನುಹೊಡೆದನು	* तीर से मारा - ಬಾಣದಿಂದ ಹೊಡೆದನು.
* सीता ने गाना गाया-ಸೀತೆಯು ಹಾಡನ್ನುಹಾಡಿದಳು.	* दिलीप को देखा -ದಿಲೀಪನನ್ನುನೋಡಿದನು.	* छड़ी से मारा - ಬೆತ್ತದಿಂದ ಹೊಡೆದನು.
* मोहन ने फल खाया।	* राम ने रावण को ने मारा।	* गोपाल कलम से लिखता है।

4 संप्रदान कारक - के लिए, केद्वारा, के वास्ते (चतुर्थी - ಗೆ, ಕ್ಕೆ, ಇಗೆ, ಗೋಸ್ಕರ)	5 अपादान कारक से (पंचमी – ದಿಸೆಯಿಂದ) ಒಂದು ವಸ್ತು ಇನ್ನೊಂದರಿಂದ ಬೇರ್ಪಡುವುದು.	6 संबंध कारक - का, के,की (षष्ठी – ಅ)
* सीता के लिए फल लाया - (ಸೀತೆ ಗೋಸ್ಕರ ಹಣ್ಣ ನ್ನುತಂದನು)	* घड़े से पानी गिरा (ಕೊಡದಿಂದ ನೀರು ಚೆಲ್ಲಿತು.)	* सुरेश का बेटा - ಸುರೇಶನ ಮಗ
* राहुल के लिए किताब लाया (ರಾಹುಲನಿಗೋಸ್ಕರ ಪುಸ್ತಕ ತಂದೆನು)	* पेड़ से फल गिरा (ಮರದಿಂದ ಹಣ್ಣು ಬಿದ್ದಿತು)	* सुरेश की बेटी - ಸುರೇಶನ ಮಗಳು * सुरेश के बच्चे - ಸುರೇಶನ ಮಕ್ಕಳು

7 अधिकरण कारक - में, पर (में-ಒಳಗಡೆ) (पर - ಮೇಲೆ) सप्तमी - ಅಲ್ಲಿ	8,संबोधन कारक अरे, हे, (संबोधना- ಏ, ಇರಾ, ಓ)
* घर पर चिड़िया है - ಮನೆಯ ಮೇಲೆ ಹಕ್ಕಿ ಇದೆ	* हे भगवान कृपा करो - ಓ ದೇವರೇ ಕರುಣಿಸು
* घर में कुत्ता है - ಮನೆಯ ಒಳಗಡೆ ನಾಯಿ ಇದೆ	* अरे लड़के इधर आओ- ಏ ಹುಡುಗ ಇಲ್ಲಿ ಬಾ

2. संधी :-

1. दीर्घ संधी :- ಈ ಸಂಧಿಯಲ್ಲಿ ಶಬ್ದದ ಎರಡನೇ ಅಥವಾ ಮೂರನೇ ಅಕ್ಷರವು (आ, ई, ऊ) ದೀರ್ಘವಾಗಿರುತ್ತದೆ.
   उदा : - धर्मात्मा , कवींद्र , लघूत्तर , विद्यार्थी, विद्यालय ।

2. गुण संधी :- ಈ ಸಂಧಿಯಲ್ಲಿ ಶಬ್ದದ ಎರಡನೇ ಅಥವಾ ಮೂರನೇ ಅಕ್ಷರದ ಮೇಲೆ (ए, ओ, अर) ಒಂದು ಕೊಂಬು ಅಥವಾ ಅರ್ಕಾವತ್ತು ಇರುತ್ತದೆ . उदा : - गजेंद्र, महोत्सव, महर्षि, परमेश्वर, महेंद्र , रमेश, वार्षिकोत्सव, जलोर्मि

3. वृद्धि संधी :- ಈ ಸಂಧಿಯಲ್ಲಿ ಶಬ್ದದ ಎರಡನೇ ಅಥವಾ ಮೂರನೇ ಅಕ್ಷರದ ಮೇಲೆ ಎರಡು V ಕೊಂಬುಗಳು ಇರುತ್ತವೆ (ऐ, औ) ।
   उदा : - एकैक, वनौषध, मतैक्य , सदैव , महैश्वर् ।

4. यण संधी :- इस संधी में अकसर शब्द का दूसरा अक्षर संयुक्ताक्षर [त्य, न्व] होता है ।
   ಈ ಸಂಧಿಯಲ್ಲಿ ಬಹುತೇಕ ಶಬ್ದದ ಎರಡನೇ ಅಕ್ಷರವು ಸಂಯುಕ್ತಾಕ್ಷರ त्य, न्व ಅಥವಾ त्र ದಿಂದ ಕೂಡಿರುತ್ತದೆ.
   उदा : - अत्यधिक, इत्यादि, प्रत्युपकार, मन्वंतर ।

5. अयादि संधी : -इस संधी में अकसर 3 अक्षर वाला शब्द आता है बीच का अक्षर 'य' या 'व' होता है)
   ಈ ಸಂಧಿಯಲ್ಲಿ ಬಹುತೇಕ ಶಬ್ದಗಳು ಮೂರು ಅಕ್ಷರಗಳ0ದ ಕೂಡಿರುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಮಧ್ಯದ ಅಕ್ಷರವು य ಅಥವಾ व ಆಗಿರುತ್ತದೆ
   उदा : - चयन, भवन, नाविक , नयन, गायक, नायिका ।

3. समास :-

1. अव्ययीभाव समास :- पहला पद प्रधान हो तथा अव्यय हो ।
ಇಲ್ಲಿ ಪೂರ್ವಪದವು ಪ್ರಧಾನವಾಗಿರುತ್ತದೆ ಹಾಗೂ ಅದು ಅವ್ಯಯ ವಾಗಿರುತ್ತದೆ . उदा : - आजन्म , बेखटके, भरपेट,

2. कर्मधारय समास :- उत्तर पद प्रधान होता है, इस समास में पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है। एक शब्द की तुलना दूसरे से की जाती है । ಈ ಸಮಾಸದಲ್ಲಿ ಉತ್ತರ ಪದವು ಪ್ರಧಾನವಾಗಿರುತ್ತದೆ .ಪೂರ್ವಪದವು ಗುಣವಾಚಕ ವಿಶೇಷಣ ಹಾಗೂ ಉತ್ತರಪದವು ವಿಶೇಷ್ಯ ವಾಗಿರುತ್ತದೆ उदा : - पीतांबर – पीला अंबर, नीलकंठ – नील है जो कंठ, कनकलता कनक के समान लता, मुखचंद- चंद्र के समान मुख,

3. तत्पुरूष समास : - दूसरा पद प्रधान होता है । दोनों शब्दों के बीच में कारक लोप होता है।
ಇಲ್ಲಿ ಉತ್ತರಪದವು ಪ್ರಧಾನವಾಗಿರುತ್ತದೆ ಎರಡು ಶಬ್ದಗಳ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿರುವ ವಿಭಕ್ತಿ ಪ್ರತ್ಯಯವು ಲೋಪ ವಾಗಿರುತ್ತದೆ.
उदा : - बैलगाडी -बैल की गाडी, राजमहल - राजा का महल, धनहीन - धन से हीन ।

4. द्विगु समास :- पहला पद संख्या वाची होता है – ಪೂರ್ವಪದ ಸಂಖ್ಯಾವಾಚಕ ವಾಗಿರುತ್ತದೆ
उदा : - त्रिधारा - तीन धाराएँ, शताब्दी-सौ वर्षों का समूह ।

5. द्वंद्व समास :- दोनों शब्दों को मिलानेवाले और, तथा, या, अथवा, एवं का लोप होकर दो शब्दों के बीच में योजक चिह्न आता है । ಎರಡು ಶಬ್ದಗಳನ್ನು ಜೋಡಿಸುವ ಪದಗಳಾದ ಮತ್ತು, ಅಥವಾ ,ಅಲ್ಲದೆ, ಇವೆಲ್ಲವು ಲೋಪವಾಗಿ ಎರಡು ಶಬ್ದಗಳ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಯೋಜಕ ಚಿಹ್ನೆ ಬರುತ್ತದೆ. उदा : सीता-राम:-सीता और राम, दाल-रोटी :-दाल और रोटी

6. बहुव्रीहि समास :- जिससे तीसरे का बोध होता है - ಈ ಸಮಾಸವು ಮೂರನೇ ವ್ಯಕ್ತಿಯ ಬಗ್ಗೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡುತ್ತದೆ ಅಂದರೆ ಯಾವುದೇ ಒಬ್ಬ ಪೌರಾಣಿಕ ಅಥವಾ ಐತಿಹಾಸಿಕ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳುತ್ತದೆ .उदा : चक्रपाणि - जिसके हाथ में चक्र हो(विष्णु)। नीलकंठ - जिसका कंठ नीला हो (ईश्वर) ।दशानन-दस हैं जिसके मुँह (रावण)। लंबोदर - लंबा है जिसका उदर, (गणेश)।

4. विराम चिह्न

1. अल्प विराम (,) :- इसका अर्थ है थोड़ी देर के लिए रुकना या ठहरना | जैसे : (i) सतीश, विवेक खेलने के बाद घर चले गये।

2. अर्ध विराम (;) :- जहाँ अल्प विराम से अधिक और पूर्ण विराम से कम रुकना हो, वहाँ अर्ध विराम का प्रयोग होता है।
जैसे : (1) खूब मन लगाकर पढ़ ; परीक्षा निकट आ गई है।

3. पूर्ण विराम (।) :- इसका अर्थ है - पूरी तरह रुकना या ठहरना । जैसे : (1) मोहन एक अच्छा लड़का है ।

4. प्रश्न चिन्ह (?) :- जिस चिह्न से प्रश्न पूछने का आभास होता है, उसे प्रश्नवाचक चिह्न कहते हैं। जैसे : (1) आपका नाम क्या है ?

5. भावसूचक विस्मयादिबोधक चिह्न (!) : जिस चिहन का प्रयोग हर्ष, विस्मय, आश्चर्य, करुणा, भय आदि भाव प्रकट करने के लिए जाता है, उस विस्मयादिबोधक चिह्न हैं । जैसे : वाह !, कितना अच्छा !, हाय !, हाय हाय !, शाबाश !

6. योजक चिह्न (-) :- जिस चिह्न से दो या दो से अधिक शब्दों को जोड़ा जाता है, उसे योजक चिह्न कहते हैं।
जैसे : फल-फूल, राम-रहीम ।

7. उद्धरण चिह्ना (" ") (') :जिस चिह्न के द्वारा किसी के कथन को ज्यों का त्यों बताया जाता है, उसे उद्धरण चिह्न कहते हैं।
राजेश ने रघु से कहा "मैं तुम्हारे साथ चलूंगा" ।

8. विवरण चिन्ह (:-)(:) :किसी बात का उत्तर, विवरण या उदाहरण अगली पंक्ति में देना हो,तो विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाताहै। जैसे : (1) संज्ञा के भेद : व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक आदि ।

9. कोष्टक चिन्ह ( ) :- किसी शब्द या वाक्यांश का अर्थ स्पष्ट करने या उसकी व्याख्या करने के लिए उसे कोष्टक के भीतर रखा जाता है।
जैसे : (1) राम के अनन्य भक्त (हनुमान) ने चुनौती स्वीकार की।

5. वचन

नियम 1 : - अ कारांत वाले स्त्रीलिंग एकवचन शब्द बहुवचन में एं कारंत बन जाते है। ಅ (ಅ) ಕಾರಾಂತ ಸ್ತ್ರೀಲಿಂಗ ಪದಗಳು ಬಹು ವಚನದಲ್ಲಿ ಎಂ ಕಾರಾಂತವಾಗಿ ಪರಿವರ್ತನೆಗೊಳ್ಳುತ್ತವೆ. जैसे :- चीज - चीजें , चादर - चादरें , दूकान - दूकानें , बात – बातें , आँख – आँखें ।
नियम 2 : - कुछ शब्द एकवचन और बहुवचन में एक ही सामान बनते हैं। ಕೆಲವು ಪದಗಳು ಏಕವಚನ ಮತ್ತು ಬಹುವಚನದಲ್ಲಿ ಒಂದೇ ಸಮಾನವಾಗಿರುತ್ತವೆ. जैसे:-फल – फल , घर - घर , हाथ - हाथ , पेड – पेड ।
नियम 3 : - ई कारांत वाले एकवचन स्त्रीलिंग शब्द बहुवचन में इयाँ कारंत बन जाते है। ಈ(ಈ) ಕಾರಾಂತ ಏಕವಚನ ಸ್ತ್ರೀಲಿಂಗ ಪದಗಳು ಬಹು ವಚನದಲ್ಲಿ ಇಯಾँ (ಇಯಾಂ) ಕಾರಾಂತವಾಗಿ ಪರಿವರ್ತನೆಗೊಳ್ಳುತ್ತವೆ . जैसे :- रेवड़ी – रेवड़ियाँ , कहानी –कहानियाँ , मछली- मछलियाँ , नाती -नातियाँ , बेटी - बेटियाँ , कंपनी - कंपनियाँ , नौकरी नौकरियाँ , रस्सी रस्सियाँ , चोटी - चोटियाँ ।
नियम 4 : - आ कारांत वाले एकवचन पुल्लिंग शब्द बहुवचन में ए कारंत बन जाते है । आ (ಆ)ಕಾರಾಂತ ಏಕವಚನ ಪುಲ್ಲಿಂಗ ಪದಗಳು ಬಹು ವಚನದಲ್ಲಿ ಎ (ಎ) ಕಾರಾಂತವಾಗಿ ಪರಿವರ್ತನೆಗೊಳ್ಳುತ್ತವೆ. जैसे :- कपड़ा –कपड़े , डिब्बा –डिब्बे , पत्ता - पत्ते , बेटा - बेटे , पोता - पोते , लिफाफा - लिफाफे ,गमला - गमले , रुपया - रुपए , कौआ - कौए , रास्ता - रास्ते ।
नियम 5 : - आ कारांत वाले स्त्रीलिंग शब्द बहुवचन में एँ कारंत बन जाते है । आ (ಆ) ಕಾರಾಂತ ಸ್ತ್ರೀಲಿಂಗ ಪದಗಳು ಬಹು ವಚನದಲ್ಲಿ ಎँ ಕಾರಾಂತವಾಗಿ ಪರಿವರ್ತನೆಗೊಳ್ಳುತ್ತವೆ जैसे :- लता - लताएँ , माला - मालाएँ , नौका - नौकाएँ , पत्रिका - पत्रिकाएँ ।

6. विलोमशब्द :

अच्छा x बुरा	अपना x पराया	आज x कल
छोटा x बड़ा	गरीब x अमीर	प्राचीन x नवीन
सुबह x शाम	रात x दिन	चढना x उतरना
बहुत x कम	स्वदेश X विदेश	दया x निर्दया
नर x नारी	होश x बेहोश	अज्ञान x ज्ञान
खरीदना x बेचना	मान x बेईमान	मुमकिन x नामुमकिन
शिक्षित x अशिक्षित	विश्वास x अविश्वास	कोमल x कठोर
आवश्यक x अनावश्यक	सहयोग x असहयोग	मुश्किल x आसान
गाँव x शहर	बुद्धिमान x बुद्दिहीन	आदि x अंत
आयात x निर्यात	लाभ x नुक्सान	सजीव x निर्जीव
पास x दूर	शांति x अशांति	

7. लिंग : -

हिंदी में लिंग दो प्रकार के होते हैं एक पुल्लिंग दूसरा स्त्रीलिंग । हमें इनको समझना थोड़ी दिक्कत होती है तो चलो आइए आज हम कौनसे शब्द पुल्लिंग के हैं और कौनसे से शब्द स्त्रीलिंग के हैं इनको आसानी से समझेंगे : -

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1 . हिंदी में दिनों का नाम पुलिंग होते हैं । ಹಿಂದಿಯಲ್ಲಿ ದಿನಗಳ ಹೆಸರುಗಳು ಪುಲ್ಲಿಂಗ ಶಬ್ದಗಳಾಗಿರುತ್ತವೆ जैसे :- सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार	1. तिथियों के नाम-ತಿಥಿಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- प्रथमा, द्वितीय, चतुर्थी , अमावास्या , पूर्णिमा
2. हिंदी में महीनों का नाम ज्यादा तर पुल्लिंग शब्द होते हैं। ತಿಂಗಳುಗಳ ಹೆಸರು ಬಹುತೇಕ ಪುಲ್ಲಿಂಗ ಶಬ್ದಗಳಾಗಿರುತ್ತವೆ . जैसे :- चैत्र, वैशाख , मार्च , अप्रैल , में अपवाद जनवरी , फरवरी (स्त्रीलिंग)	2. लिपियों के नाम-ಲಿಪಿಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- गुरुमुखी, रोमन , देवनागरी
3. ग्रहों के नाम- ಗ್ರಹಗಳ ಹೆಸರು शुक्र, शनी ,मंगल	3. भाषाओं के नाम -ಭಾಷೆಗಳ ಹೆಸರು जैसे -हिंदी, कन्नड़, तमिल
4. देशों के नाम- ದೇಶಗಳ ಹೆಸರು भारत, अमेरिका, चीन	4.नदियों के नाम-ನದಿಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- गंगा,यमुना,सतलज,तापी
5. रत्नों के नाम- ಹರಳುಗಳ ಹೆಸರು पन्ना ,मोती, हीरा	5. नक्षत्रों के नाम- ನಕ್ಷತ್ರಗಳ ಹೆಸರು जैसे :रोहिणी, अश्विनी,पृथ्वी
6. पर्वतों के नाम -ಪರ್ವತಗಳ ಹೆಸರು हिमालया विंध्याचल	
7. धातुओं के नाम -ಧಾತುಗಳ ಹೆಸರು लोहा,सोना,पीतल,तांबा अपवाद ; - चांदी स्त्रीलिंग शब्द है |	6. खाने पीने की चीज - ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಹೆಸರು जैसे :- दाल ,चपाती ,खिचड़ी, सब्जी
8. शरीर के अंग -ದೇಹದ ಅಂಗಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- कान ,मुंह ,दांत, पांव, हाथ, सिर, मस्तक, नाखून, अंगूठा अपवाद ; - कलाई, आंख ,नाक ,खाल ,जीब, बोह (स्त्रीलिंग)|	7. शरीर के अंग - ದೇಹದ ಅಂಗಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- कलाई, आंख ,नाक ,खाल ,जीब, बोह |
9. द्रव्यों के नाम ದ್ರವ್ಯ ಪದಾರ್ಥಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- पानी ,दूध ,तेल, दही, पानी ,शरबत अपवाद ; - चाय, काफी, शराब, स्याही (स्त्रीलिंग)	8. द्रव्यों के नाम - ದ್ರವ್ಯ ಪದಾರ್ಥಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- चाय, काफी, शराब, स्याही
10. पेड़ों के नाम ಮರಗಳ ಹೆಸರು पीपल ,बड, आम, अमरूद ,शीशम अपवाद ; - लीची , इमली , नारंगी (स्त्रीलिंग)	9. पेड़ों के नाम - ಮರಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- लीची , इमली , नारंगी
11. अनाज का नाम ಧಾನ್ಯಗಳ ಹೆಸರು चना,गेहूं,चावल, तिल,बाजरा अपवाद :- जवार ,मूंगा, अरहर (स्त्रीलिंग)	10. अनाज का नाम - ಧಾನ್ಯಗಳ ಹೆಸರು जैसे :- जवार ,मूंगा, अरहर
12. सर्वदा पुल्लिंग शब्द कौआ ,तोता, बंदर, बिच्छू, गिरगिट मगरमच्छ ,गेंडा,। शब्दों को स्त्रीलिंग बनाना हो तो इनके साथ मादा लगाना चाहिए जैसे कि मादा तोता ,मादा गिरगिट	11. स्त्रीलिंग शब्द कोयल गोरिया चील । इनको फुल्लन बनाना हो तो इनके सामने नर लगाना होगा जैसे कि नर चील, नर कोयल

इनके अलावा लिंग बदल ने के कुछ अन्य उदाहरण निम्नलिखित है :-

पुल्लिंग - स्त्रीलिंग	मयूर - मयूरी	बच्चा - बच्ची	साहब - साहिबा
लेखक - लेखिका	कुत्ता - कुतिया	दुबला - दुबली	भाई - बहन

श्रीमान - श्रीमति	लड़का - लड़की	पतला - पतली	बाप। - मा

8. प्रेरणार्थक क्रिया रूप :

क्रिया	प्र. प्रेरणार्थक रूप	द्वि. प्रेरणार्थक रूप		क्रिया	प्र. प्रेरणार्थक रूप	द्वि. प्रेरणार्थक रूप
पढ़ना	पढ़ाना	पढवाना		लौटना	लौटाना	लौटवाना
देखना	दिखाना	दिखवाना		उतरना	उतराना	उतरवाना
सुनना	सुनाना	सुनवाना		पहनना	पहनाना	पहनवाना
करना	कराना	करवाना		गिरना	गिराना	गिरवाना
जगना	जगाना	जगवाना		सीखना	सिखाना	सिखवाना
भेजना	भिजाना	भिजवाना		लगना	लगाना	लगवाना
चलना	चलाना	चलावाना		बनना	बनाना	बनवाना
रोना	रुलाना	रुलावाना		ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
धोना	धुलाना	धुलवाना		हँसना	हसाना	हसवाना
देना	दिलाना	दिलवाना		उड़ना	उड़ाना	उड़वाना
ठहरना	ठहराना	ठहरवाना		उठना	उठाना	उठवाना

9. मुहावरे का अर्थ लिखिए

27. आँखे दिखना - डराना
28. छकके छुडाना - बुरी तरह हराना
29. टस से मस ना होना - विचलित ना होना
30. कमर कसना - तैयार होना
31. आग बबूला होना - अत्यंत क्रोधित होना
32. सिर नीचे होना - अवमानित होना
33. नाक कटना - बदनामी होना
34. चार चाँद लगाना - शोभा बढाना
35. कान खडे होना - सावधान होना
36. हवा में बातें करना - भाग जाना
37. बात का धनी - वचन का पक्का होना
38. राहत की साँस लेना - चैन से रहना
39. पौ फटना - प्रभात होना
40. फूला नही समाना - बहुत खुश होना
41. हाथों के तोते उडना - आश्चर्य चकित होना
42. दो दिन का मेहमान - जल्द मरने वाला
43. अंगारे उगलना - क्रोध में कठोरवचन बोलना
44. खून पसीना एक करना - बहुत मेहनत करना
45. दाल न गलना - सफल न होना
46. पसीना बहाना - परिश्रम करना
47. अंगूठा दिखाना - देने से स्पष्ट इन्कार करना।
48. अपना उल्लू सीधा करना - काम निकालना /स्वार्थ पूरा
49. आग बबूला होना - अत्यंत क्रोधित होना।
50. आसमान सिर पर उठाना - शोर करना।
51. खून पसीना एक करना - बहुत मेहनत करना।
52. पेट पर लात मारना - नौकरी छीनना

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रश्नोत्तर माला :

I } निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन या चार वाक्यों में लिखिए :

प्रश्न 1 . भारत माँ के प्रकृति सौंदर्य का वर्णन कीजिए ?

उ • मातृभूमि का प्रकृति सौंदर्य नयन मनोहर है।

- भारत माता के खेत हरे-भरे और सुहाने हैं।
- यहा फल फूलों से युक्त वन उपवन है।
- इस धरती में खनिजों का व्यापक धन है।

प्रश्न 2 . मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उ • मातृभूमि अमरों की जननी है |

- उसके हृदय में गांधी बुध और राम सोए हुए हैं |
- भारत माता के एक हाथ में न्याय पताका है |
- दूसरे हाथ में ज्ञानदीप है |

इस प्रकार मातृभूमि का स्वरूप सुशोभित है |

प्रश्न 3. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ?

उ : दूकानदार ने लेखक (प्रेमचंद) से कहा -

- बाबूजी, बडे मजेदार सेब आए हैं।
- खास कश्मीर के है।
- आप सेब ले जाइए।
- खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

प्रश्न 4 "कश्मीरी सेब " कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

- 'कश्मीरी सेब' कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि -
- खरीदारी करते समय सावधानी बरतें।
- सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है।
- साथ ही विटामिन और प्रोटीन के लाभ।

प्रश्न 5.लेखिका ने गिल्लू की प्राण कैसे बचाया ?

उ • महादेवी वर्मा जी घायल गिलहरी के बच्चे को देखा।

- उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लायीं।
- रूई से रक्त पोंछा।
- उसके घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।
- कुछ घंटे उपरांत उसके मुंह में एक बूंद पानी टपकाया गया।
- इस प्रकार गिल्लू के प्राण बचाये।

प्रश्न 6. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

उ • लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू -

- लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता ।
- फिर उसी तेजी से उतरता है ।
- उसका दौडने यह क्रम चलता रहताहै ।
- जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

प्रश्न 7. दिनकर जी के अनुसार 'मानव का सही परिचय ' क्या है ?

उ • मानव-मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़ना।

- आपसी भेदभाव को दूर करना।
- मानव मानव के बीच स्नेह का बांध बांधना
- स्वयं को पहचानना।
- अपने भाईचारे को समझना।
- बुध्दि पर हृदय की जीत करना।
- यही मानव के सच्ची साधना है।

प्रश्न 8. आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या क्या देती थी ?

उ • कलाम जी रसोई घर में नीचे बैठ कर खाना खाते थे

- आशियम्मा खानेमें चावल एवं स्वादिष्ट सांबार डालती।
- साथ में घर का बना अचार देती ।
- नारियल की ताजी चटनी भी देती थी।

प्रश्न 9. जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते थे?

उ • जैनुलाबदीन नमाज के बारे में यह कहते हैं -

- जब तुम नमाज़ पड़ते हो तो अपने आप में लीन हो जाते हो।
- तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो।
- जिस मे दौलत, आयु, का पता नहीं चलता।
- जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं रहता।

प्रश्न 10. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा ??

उ • बसंत पं.राजकिशोर के नोट लेकर भुनाकर वापस लौट रहा था।

- तब, वह एक मोटर के नीचे आ गया था।
- मोटर उसके ऊपर से निकल जाने के कारण, वह बेहोश हो गया था। इसलिए नहीं लौटा।

प्रश्न 11. फूल मालएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उ • लेखक जब स्टेशन पहुंचे तब उनका खूब स्वागत हुआ।

- लगभग दस बड़ी फूल मालाएँ उनको पहनायी गयी।
- तब लेखक ने सोचा कि आसपास कोई माली होता तो ये फूल मालाएँ बेच लेता।
- इन्हें बेच कर कुछ पैसे मिल जाते।

प्रश्न 12. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाता था ? या कृष्ण बलराम के प्रति क्यों नाराज़ है ?

उ • कृष्ण को बलराम चिढाता है कि वह मोल लाया गया है।

- उसे माता यशोदा ने जन्म नहीं दिया कहता है।
- उसे सारे ग्वाल-बाल भी चिढ़ाते हैं।
- बलराम कहता है कि यशोदा और नंद गोरे हैं तुम काले हो। इसलिए कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाता था।

प्रश्न 13. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ? अथवा यशोदा कृष्ण को किस प्रकार सांत्वाना देती है ?

उ • यशोदा कहती है कि- "बलराम तो जन्म से ही धूर्त है, चुगलखोर है"।

- वह गोधन की कसम खाकर कहती है कि मैं ही तुम्हारी माता हूँ, तुम मेरे पुत्र हो।
- इस तरह कहते हुए कृष्ण के क्रोध को शांत करती है।

प्रश्न 14. वीडियो कान्फरेन्स के बारे में लिखिए।

उ • विडियो कान्फरेन्स एक काल्पनिक सभागार है।

- एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ बातें कर सकते हैं।
- कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते है।
- एक ही कमरे मे बैठकर विभिन्न देशों के लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते है।

II } निम्नलिखित प्रश्नों को पाँच -छ: वाक्यों में दीर्घ उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1. सोशियल नेटवर्किंग के बारे में आप क्या जानतेहैं ? अथवा सोशियल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज़ है। कैसे ?

उ • सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज़ है।

- इसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर खड़ा कर दिया हैं।
- इसके कई साईटस हैं जैसे फेसबुक, आरकुट, ट्विटर, लिंकडइन, आदि।
- इन साइटों के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन सहन, वेश-भूषा,खान-पान ,संस्कृति,कला आदि की जानकारी मिलती हैं।
- इसका प्रभाव शीघ्र अति शीघ्र लोगों पर पड़ता है।

प्रश्न 2. समय की पहचान कविता का संक्षिप्त सारांश लिखिए। अथवा समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उ • समय अनमोल है।

- यह ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्राप्त अनुपम धन है।

- समय रहते ही हमें अपने सारे काम पूरे कर लेने चाहिए।
- समय को व्यर्थ नहीं करना चाहिए।
- काम को टालना नहीं चाहिए।
- क्योंकि बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता ।
- आलस्य नहीं करना चाहिए |
- स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।
- अपने काम को पूरी लगन से करना चाहिए ।

प्रश्न 3. गिल्लू के क्रिया-कलाप के बारे में लिखिए ?

उ • लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर से पर्दे पर चढ़ जाता है।
- उसी तेजी से उतरता था।
- कभी परदे की चुन्नट में गायब होता।,
- दिन भर बाहरी गिलहरियों के साथ उछलता-कूदता ।
- ठीक चार बजे घर आकर अपने झूले में झूलने लगता था।
- लेखिका की थाली के पास बैठकर बडी सफाई से खाना खाता।
- लेखिका लिखने बैठती तब लिफाफे के भीतर रहकर उनका कार्य-कलाप देखा करता था।
- और कभी लेखिका को चौंकाने के लिए फूलदान के फूलों में छिप जाता।

प्रश्न 4. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए ?

उ • महादेवी वर्मा जी ने घायल गिलहरी गिलहरी के बच्चे को देखा |
- हौले से उठाकर कमरे में लाया और घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया ।
- उसके का प्राण बचाया और रहने के लिए झूला लगाया ।
- उसे गिल्लू नाम के साथ सम्मानित किया ।
- गिल्लू को खाने के लिए काजू तथा बिस्कुट दिया ।
- थाली में से एक-एक चावल उठाकर खाने को सिखाया।
- गिल्लू के अंतिम दिनों में उसे बचाने की पूरी कोशीश भी की।
- उसकी मृत्यु के बाद समाधि भी बनाया।
- इस प्रकार महादेवी वर्माजी ने गिल्लू के प्रति अपनी ममता को दर्शाया है ।

प्रश्न 5. सेब के हालत के बारे में लिखिए ?

उ • लेखक प्रेमचंद नाश्ता करने के लिए सेब निकाला।
- पहला सेब एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था।
- दूसरा सेब निकाला आधा सडा हुआ था।
- तीसरा सेब एक तरफ दबकर पिचक गया था।
- चौथा सेब काटा तो भीतर काला सुराख था।
- एक सेब भी खाने लायक नहीं थथा।

प्रश्न 6. बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे ? या बसंत स्वाभिमानी और ईमानदार लड़का था। कैसे ?

उ • बसंत एक ईमानदार लड़का है।

- वह मेहनत कर के अपना पेट पालता है।
- मुफ्त के पैसों को वह भीख समझता है।
- मोटर दुर्घटना में घायल होकर वह बेहोश हो जाता है
- होश आने पर पं. राजकिशोर के पैसे अपना भाई प्रताप के हाथों वापस लौटाता है।
- पं. रजकिशोरजी चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाने लगते हैं तो कहता है "मैं गरीब हूँ। इतने पैसे मेरे पास नही है"।
- इससे हम कह सकते हैं कि बसंत एक ईमानदार लड़का है तथा स्वाभिमान लड़का है।

प्रश्न 7. पं. राजकिशोरजी के मानवीय व्यवहार के बारे में लिखिए। अथवा पं.राजकिशोर मानवता की मूर्ति थे ? कैसे ?

उ • पं. राजकिशोर जी एक मजदूर नेता थे।

- वे मानवीय व्यवहारवाले व्यक्ति है
- कुछ खरीदे बिना ही बसंत को पैसे देना चाहते है।
- बसंत के हालत सुनकर वे छलनी खरीदने के लिए तैयार होते हैं।
- बसंत की दुर्घटना के बारे में सुनते हैं तो तुरंत उसके मदद के लिए निकल पड़ते हैं।
- डॉक्टर को भी लेकर आने के लिए कहते हैं।
- बसंत को आगे की चिकित्सा के लिए अस्पताल लेजाने के लिए भी तैयार होते हैं।

प्रश्न 8. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उ • प्रकृति माता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है।

- कर्नाटक की प्रकृतिक सौंदर्य नयन मनोहर है।
- पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है।
- इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।
- इन्ही घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है।
- दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान है।

प्रश्न 9. कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है।कैसे ? अथवा कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

उ • कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है।

- बादामी, ऐहोले, पट्टद कल्लु के मंदिर की शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है।
- बेलूरू, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिर में पत्थर की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं।
- यहाँ के मूर्तियाँ रामायण, महाभारत की कहानियाँ सुनाती हैं।
- श्रवणबेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला की प्रतिमा है।
- विजयपुर की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय है।
- मैसूरू का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।

निम्नलिखित अनुच्छेद का अनुवाद कन्नड़ या अंग्रेजी में कीजिए :

कन्नड़ में अनुवाद

1. कल श्याम को चौक में दो-चार जरुरी चीजें खरिदने गया था। पंजाबी मेवाफरोशों की दूकानें रास्ते में ही पडते हैं। एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नजर आये।

1. ನಿನ್ನೆ ಸಾಯಂಕಾಲ 2 -4 ಅಗತ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಸರ್ಕಲ್ ಕಡೆಗೆ ಹೋಗಿದ್ದೆ. ಪಂಜಾಬಿಗರ ಹಣ್ಣಿನ ಅಂಗಡಿಗಳು ರಸ್ತೆ ಉದ್ದಕ್ಕೂ ಇವೆ. ಒಂದು ಅಂಗಡಿಯಲ್ಲಿ ಜೋಡಿಸಿ ಇಟ್ಟ ಸುಂದರ ಗುಲಾಬಿ ಬಣ್ಣದ ಸೇಬು ಹಣ್ಣುಗಳು ಕಂಡುಬಂದವು

2. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी । अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे । मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटामिन हैं।

2. ಗಜ್ಜರಿಯೂ ಕೂಡ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು . ಶ್ರೀಮಂತ ಜನರು ಅದರ ಹಲವಾ ಮಾಡಿ ತಿನ್ನುತ್ತಿದ್ದರು, ಆದರೆ ಈಗ ನಮಗರಿವಾಗಿದೆ ಗಜ್ಜರಿಯಲ್ಲಿಯೂ ಕೂಡ ತುಂಬ ವಿಟಮಿನ್ ಇರುತ್ತವೆ.

3. लौंडा चार सेब लाया। दूकानदार ने तौला, एक लिफाफे में रका और रुमाल में बाँधकर मुझे दे दिया। मैंने चार आने उसके हाथ में रखे।

3. ಬಾಲಕ ನಾಲ್ಕು ಸೇಬುಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ತಂದನು. ಅಂಗಡಿಯವನು ತೂಕ ಮಾಡಿ ಒಂದು ಕವರನಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ, ಕರವಸ್ತ್ರದಲ್ಲಿ ಕಟ್ಟಿ ನನಗೆ ಕೊಟ್ಟನು. ನಾನು ನಾಲ್ಕು ಆಣೆ ಹಣ ಅವನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟೆನು.

4. दूकानदार ने जानबूझकर मेरे साथ धोखेबाजी का व्यवहार किया। एक सेब सडा हुआ होता, तो मैं उसको क्षमा के योग्य समझता । सोचता, उसकी निगाह न पडी होगी ।

4. ಅಂಗಡಿಯವನು ತಿಳಿದು ತಿಳಿದು ನನ್ನೊಂದಿಗೆ ಮೋಸದ ವ್ಯಾಪಾರ ಮಾಡಿದನು. ಯಾವುದೋ ಒಂದು ಸೇಬು ಕೆಟ್ಟಿದ್ದರೆ ನಾನು ಅವನನ್ನು ಕ್ಷಮಿಸುತ್ತಿದ್ದೆ. ಏಕೆಂದರೆ ಬಹುಶಃ ಅವನ ಕಣ್ಣಿಗೆ ಕಾಣದೇ ಇರಬಹುದು.

5. हम उसे गिल्लू कहकर बुलाने लगे। मैंने फूल रखने की हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिडकी पर लटका दिया।

5. ನಾವು ಅದಕ್ಕೆ ಗಿಲ್ಲೂ ಎಂದು ಕರೆಯಲಾರಂಭಿಸಿದೆವು. ನಾನು ಹೂವು ಇಡುವ ಹಗುರ ಕುಂಡದಲ್ಲಿ ಹತ್ತಿಯನ್ನು ಹಾಸಿ ಕೃತಕ ಗೂಡನ್ನು ನಿರ್ಮಿಸಿ ತಂತಿಯಿಂದ ಕಿಡಕಿಗೆ ನೇತು ಹಾಕಿದೆ.

6. गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। •दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया ।

6. ಅಳಿಲುಗಳ ಜೀವನ ಅವಧಿ ಎರಡು ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ಅಧಿಕ ಇರುವುದಿಲ್ಲ. ಹಾಗಾಗಿ ಗಿಲ್ಲೂವಿನ ಜೀವನ -ಯಾತ್ರೆಯ ಅಂತ್ಯವು ಸಹ ಬಂದೇ ಬಿಟ್ಟಿತ್ತು. ಇಡೀ ದಿನ ಅದು ಏನು ತಿನ್ನಲೂ ಇಲ್ಲ ಹೋರಗಡೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

7.पंजे ठंडे हो रहे थे, लेखिका हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

7. ಅದರ ಕಾಲುಗಳು ತಣ್ಣಗಾಗತೊಡಗಿದವು. ಲೇಖಕಿಯವರು ಹೀಟರ್ ಉರುಸಿ ಉಷ್ಣತೆ ನೀಡುವ ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡಿದರು. ಆದರೆ ಸೂರ್ಯೋದಯದ ಪ್ರಥಮ ಕಿರಣದೊಂದಿಗೆ ಅದು ಚಿರ ನಿದ್ರೆಗೆ ಜಾರಿತು.

8. मैं कई बच्चों में से एक था, लंबे-चौडे व सुंदर माता-पिता का छोटी कद-काठी का साधारण दिखनेवाला बच्चा। हम लोग अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

8. ನಾನು ಅನೇಕ ಮಕ್ಕಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ. ನಾನು ಎತ್ತರ ಹಾಗೂ ಸುಂದರ ತಂದೆ-ತಾಯಿಯ ಸ್ವಲ್ಪ ಎತ್ತರದ ಸಾದಾರಣವಾಗಿ ಕಾಣುವ ಬಾಲಕನಾಗಿದ್ದೆ. ನಾವು ಪುರಾತನ (ಪೂರ್ವಜರ)ಮನೆಯಲ್ಲಿ ವಾಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದೆವು.

9. बचपन में मेरे तीन पक्के दोस्त थे – रामानंद शास्त्री , अरविंदन और शिवप्रकाश। ये तीनों ही ब्राह्मण परिवार से थे। रामानंद शास्त्री तो रामेश्वरम् मंदिर के सबसे बड़े पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री का बेटा था।

9. ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಮೂವರು ಆತ್ಮೀಯ ಸ್ನೇಹಿತರಿದ್ದರು - ರಾಮಾನಂದ ಶಾಸ್ತ್ರಿ ಅರವಿಂದನ ಮತ್ತು ಶಿವಪ್ರಕಾಶ, ಈ ಮೂವರು ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಕುಟುಂಬದವರಾಗಿದ್ದರು, ರಾಮಾನಂದ ಶಾಸ್ತ್ರಿ ಈತ ರಾಮೇಶ್ವರಂ ಮಂದಿರದ ಹಿರಿಯ ಪುರೋಹಿತರಾದ ಪಕ್ಷಿ ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಶಾಸ್ತ್ರಿಯವರ ಮಗನಾಗಿದ್ದ

10. आज का युग इंटरनेट युग है । आज इनसान के लिए खाना-पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक होगया है।

10. ಇಂದಿನ ಯುಗ ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಯುಗವಾಗಿದೆ. ಇಂದು ಮನುಷ್ಯನಿಗೆ ನೀರು ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಎಷ್ಟು ಮುಖ್ಯವೋ, ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಸಹ ಅಷ್ಟೇ ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ..

11. इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दूकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है।

11. ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಖರೀದಿಯನ್ನು ಮಾಡಬಹುದು, ಯಾವುದೇ ಬಿಲ್ ಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಬಹುದು, ಇದರಿಂದ ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗುವುದು ಮತ್ತು ಸರತಿಯಲ್ಲಿ ಗಂಟೆಗಟ್ಟಲೆ ನಿಲ್ಲುವ ಸಮಯ ಉಳಿಯುತ್ತದೆ.

12. स्टेशन पर हरिशंकर परसाई जी का खूब स्वागत हुआ। लगभग दस बडी पहनायी गयीं। तब वे सोचते हैं, आस-पास माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता।

12. ರೈಲು ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ಹರಿಶಂಕರ ಪರಸಾಯಿರವರನ್ನು ಅದ್ದೂರಿ ಸ್ವಾಗತಿಸಿ ಬರಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಯಿತಿ. ಸರಿ-ಸುಮಾರು ಹತ್ತಾರು ದೊಡ್ಡದಾದ ಹೂ-ಮಾಲೆಗಳನ್ನು ತೋಡಿಸಲಾಯಿತು, ತೊಟ್ಟ ಹೂ-ಮಾಲೆಯನ್ನು ಕಂಡು, ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿ ಯಾರಾದರು ಹೂ-ಮಾರಾಟ ಮಾಡುವವರಿದ್ದರೆ ಮಾರಿದರಾಯಿತು ಎಂದು ಯೋಚಿಸಿದರು.

13. सम्मेलन का उदघाटन शानदार हुआ। हरिशंकर परसाई जी लागभग एक घंटे तक भाषण दिये । वे चप्पल पहनने गये तो, चप्पलें गायब थीं।

13. ಸಮ್ಮೇಳನದ ಉದ್ಘಾಟನೆ ವೈಭವದಿಂದ ಜರುಗಿತು, ಹರಿಶಂಕರ ಪರಸಾಯಿರವರು ಸರಿಸುಮಾರು ಒಂದು ಘಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಭಾಷಣವನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಚಪ್ಪಲಿ ತೋಡಲು ಹೋದಾಗ ನೋಡುತ್ತಾರೆ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳೇ ಮಾಯವಾಗಿದ್ದವು.

14. "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर । तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं"।

14. ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು. ಒಂದು ಚಪ್ಪಲಿ ಇಲ್ಲಿ ಬಿಟ್ಟರೆ, ಎರಡನೇ ಚಪ್ಪಲಿ ಹತ್ತು ಅಡಿ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬೇಕು. ಹೀಗೆ ಮಾಡಿದಾಗ ಚಪ್ಪಲಿಗಳು ಕಳವು ಆಗುವುದಿಲ್ಲ."

15. दोनों दोस्तो ने मकान बनाना चाहते थे। मकान कैसे बनाते हैं इसके बारे में वे नहीं जानते थे । इसलिए वे पशुओं से पूछ-ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पडे।

15. ಗೆಳೆಯರಿಬ್ಬರು ಮನೆ ಕಟ್ಟಲು ಬಯಸಿದರು. ಅವರಿಗೆ ಮನೆ ಹೇಗೆ ನಿರ್ಮಿಸುತ್ತಾರೆ ಎಂಬುದರ ಬಗ್ಗೆ ಅರಿವು ಇರಲಿಲ್ಲ. ಹೀಗಾಗಿ ಪ್ರಾಣಿಗಳಿಂದ ಕೇಳಿ ತಿಳಿಯಲು ಕಾಡಿನ ಕಡೆಗೆ ಹೊರಟು ನಿಂತರು.

16. भैंस ने दोनों दोस्तों को अपने भैंसे का पंजर दिखाया। जैसे इस पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पडी है, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाडकर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लो।

16. ಎಮ್ಮೆಯು ಗೆಳೆಯರಿಬ್ಬರಿಗೆ ಕೋಣದ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರವನ್ನು ತೋರಿಸಿತು, ಈ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರದಂತೆ, ನಾಲ್ಕು ದಪ್ಪದಾದ ಕಟ್ಟಿಗೆ ತುಂಡುಗಳನ್ನು ನೆಲದಲ್ಲಿ ನೆಟ್ಟು, ಅದರ ಮೇಲೆ ತೆಳುವಾದ ಮತ್ತು ಉದ್ದವಾದ ಮರದ ಕೊಂಬೆಯ ಹಂದರ ನಿರ್ಮಿಸಿಬೇಕು.

17. मछली ने माकान बनाने के बारे दोनों दोस्तों से कहा, पेडों से बहुत-सी पत्तियाँ तोड लो। मेरी पीठ की पट्टियों जैसी इन पत्तियों को छप्पर पर जमा कर दो।

17. ಮೀನು ಮನೆ ನಿರ್ಮಾಣ ಬಗ್ಗೆ ಗೆಳೆಯರಿಬ್ಬರಿಗೆ ಹೀಗೆ ಹೇಳಿತು, ಮರದಿಂದ ಬಹಳಷ್ಟು ಎಲೆಗಳನ್ನು ಹರಿದುಕೊಂಡು, ನನ್ನ ಮೇಲ್ಬಾಗದ ಪಟ್ಟಿಯಂತೆ ಈ ಎಲೆಗಳನ್ನು ಹಂದರದ ಮೇಲೆ ಹಾಸಿಕೊಳ್ಳಿ

18. साधोराम वर्षों से सक्सेना परिवार में काम करता था। एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराना पडा।

18. ಸಾಧೋರಾಮನು ಅನೇಕ ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಸಕ್ಸೆನಾ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತಿದ್ದನು. ಒಂದು ದಿನ ಚಲಿಸುತ್ತಿರುವ ಬಸ್ಸಿನಿಂದ ಬಿದ್ದ ಕಾರಣ ಅವನಿಗೆ ಬಹಳ ಪೆಟ್ಟಾಯಿತು. ಅವನನ್ನು ಆಸ್ಪತ್ರೆಗೆ ದಾಖಲು ಮಾಡಬೇಕಾಯಿತು.

19. वर्ष २०३० के नवंबर का महीना था। दफ्तर अभी खुला ही था। एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से दफ्तर के फर्श को साफ कर रहा था ।

19 ಆದು ನವೆಂಬರ್ ತಿಂಗಳಿನ 2030 ರ ಇಸ್ವಿಯಾಗಿತ್ತು. ಕಚೇರಿಗಳು ಈಗಷ್ಟೆ ತೆರೆದಿದ್ದವು. ಒಂದು ರೋಬೊಟ ವ್ಯಾಕ್ಯೂಮ್ ಕ್ಲೀನರ್ ಸಹಾಯದಿಂದ ಕಚೇರಿಯ ನೆಲಹಾಸು ಸ್ವಚ್ಚ ಮಾಡುತಿತ್ತು.

20. रोबोनिल रोबोट बहुत बुद्धिमान रोबोट था। वह नाती-पोतों का होमवर्क कराना, सुबह नाश्ता करना, छोटे बच्चों को कहानियाँ सुनाना आदि काम करता था। साथ ही वर्ड प्रोसेसर पर काम सँभालता था।

20. ರೋಬೋನಿಲ ರೋಬೋಟ ಅತಿ ಬುದ್ದಿವಂತ ರೋಬೋಟವಾಗಿತ್ತು. ಅದು ಮಕ್ಕಳ ಮನೆಗೆಲಸ ಮಾಡುವುದು, ಮುಂಜಾನೆಯ ಉಪಹಾರ ಮಾಡುವುದು, ಚಿಕ್ಕ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಕಥೆ ಹೇಳುವುದು ಮುಂತಾದ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡುತಿತ್ತು. ಇದರ ಜೊತೆಗೆ ವರ್ಡ ಪ್ರೊಸೆಸರ್ ಕೆಲಸವೂ ಮಾಡುತಿತ್ತು.

21. आइजक आसिमोव रोबोटिकी नियमों के वैज्ञानिक लेखक हैं। रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण न बने । साथ ही, किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा न पहुँचे।

21. ಆಯಿಜಕ್ ಆಸಿಮೋವ್ ರೋಬೋಟ ನಿಯಮದ ಲೇಖಕರಾಗಿದ್ದರು. ರೋಬೋಟ ಯಾವುದೇ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ ಹಾನಿ ಉಂಟು ಮಾಡಬಾರದು. ಇದರ ಜೊತೆಗೆ ರೋಬೋಟ ಮನುಷ್ಯನ ಉದ್ಯೋಗಕ್ಕೆ ಅಪಾಯ ತರಬಾರದು.

22. बिछेंद्रीपाल का जन्म एक साधारन भारतीय परिवार में हुआ था । पिता किशनपाल सिंह और माँ हंसादेई नेगी थी। उनके पाँच संतानों में यह तीसरी संतान है।

22. ಬಿಛೇಂದ್ರಿಪಾಲ್ ರವರು ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದರು. ಇವರ ತಂದೆ ಕಿಶನ್‌ಪಾಲ್ ಸಿಂಹ ಮತ್ತು ತಾಯಿ ಹಂಸದೇಯಿ ನೇಗಿ, ಇವರ ಐದು ಜನ ಮಕ್ಕಳಲ್ಲಿ ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ಮೂರನೆಯವರಾಗಿದ್ದರು

23. कर्नाटक राज्य भारत देश का प्रगतिशील राज्य है। यहाँ की आबादी लगभग छः करोड़ से ऊपर है। प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृध्द बनाया है।

23. ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯ ಭಾರತ ದೇಶದ ಪ್ರಗತಿಶೀಲ ರಾಜ್ಯವಾಗಿದೆ, ಇಲ್ಲಿನ ಜನಸಂಖ್ಯೆ ಸುಮಾರು ಆರು ಕೋಟಿಗೂ ಹೆಚ್ಚಿದೆ ಪ್ರಕೃತಿಮಾತೆಯೂ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯಕ್ಕೆ ತನ್ನ ಕೈಯಾರೆ ಶೃಂಗರಿಸಿ ಸುಂದರ ಮತ್ತು ಸಮೃದ್ಧವನ್ನಾಗಿಸಿದೆ .

24. कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गये हैं। बेंगलुरु शिक्षा का ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों का भी केंद्र है।

24. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ, ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತಿದೆ ಮತ್ತು ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು . ಇಲ್ಲಿ ದೇಶ-ವಿದೇಶದಿಂದ ಜನರು ಬಂದು ನೆಲೆಸಿದ್ದಾರೆ. ಬೆಂಗಳೂರು ಶಿಕ್ಷಣದಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲ ಸಾಕಷ್ಟು ಉದ್ಯೋಗಗಳ ಕೇಂದ್ರ ಕೂಡ ಆಗಿದೆ